RNI: UPHIN/2015/60902

राजधानी से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

www.theachivertimes.com

द अचीवर टाइम्स

डाक पंजीयन संख्या
एस.एस.पी.एल.डब्लू/एन
पी.439/2015-2017

वर्ष : 9 अंक : 224
पृष्ठ : 8 मूल्य : 3 रुपया
लखनऊ, गुरुवार, 07 दिसम्बर, 2023

एक नज़र

विश्व आर्थिक मंच की बैठक में यूपी को न्योता, पेश किया जाएगा प्रदेश का विकास मॉडल

लखनऊ। स्विट्जरलैंड के दावोस में 15 से 19 जनवरी तक आयोजित बैठक में यूपी को भी आमंत्रित किया गया है। इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रतिनिधिमंडल को नामित किया है। उत्तर प्रदेश में आर्थिक और औद्योगिक विकास की गूंज अब वैश्विक मंच पर सुनाई देगी। अगले वर्ष जनवरी में दावोस (स्विट्जरलैंड) में आयोजित होने वाले वार्षिक शिखर सम्मेलन के रूप में विश्व आर्थिक मंच (वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम) में हिस्सा लेने के लिए उत्तर प्रदेश को भी न्योता मिला है। दावोस में 15 से 19 जनवरी तक होने वाली बैठक में हिस्सा लेने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रतिनिधिमंडल नामित किया है। प्रतिनिधिमंडल में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना और औद्योगिक विकास एवं निर्यात प्रोत्साहन मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी के अलावा अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त मनोज कुमार सिंह और सचिव मुख्यमंत्री अमित सिंह शामिल हैं। सम्मेलन में शामिल होने जा रहे मंत्री और अधिकारी वैश्विक मंच पर लगभग साढ़े छह साल में प्रदेश के आर्थिक और औद्योगिक विकास की तेज रफ्तार का मॉडल पेश करेंगे। यूपी में निवेश के लिए बने नए सकारात्मक माहौल की जानकारी देंगे ताकि दुनिया भर के निवेशकों को उत्तर प्रदेश की ओर आकर्षित किया जा सके।

कराची में अर्शी मॉल में लगी भीषण आग, चार लोगों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कराची शहर में बुधवार को एक बड़े शॉपिंग मॉल में आग लगने से चार लोगों की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को कराची के फेडरल बी एरिया में आयशा मंजिल के पास स्थित अर्शी शॉपिंग सेंटर में भीषण आग लग गई। जिसमें चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस और बचाव सेवाओं के अनुसार, आग लगने के बाद मॉल के अंदर फंसे सैकड़ों लोगों को बचा लिया गया है। टेलीविजन पर प्रसारित फुटेज में दिखाया गया कि किस तरह धधकती आग ने सब कुछ अपनी चपेट में ले लिया और आसमान में काला धुआं फैल गया।

जम्मू-कश्मीर ने नेहरू की गलतियों की वजह से समस्याएं झेलीं:अमित शाह

सही कदम उठाए होते, तो PoK हमारा होता

एजेंसी

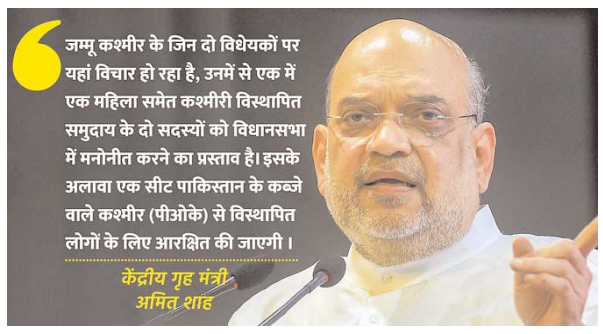

नई दिल्ली। उन्होंने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी का नाम लिए बगैर उन पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस के नेता ओबीसी की बात करते हैं। कुछ नेता होते हैं उन्हें कुछ लिखकर हाथ में पकड़ा दो तो जब तक नई पर्ची नहीं मिलती, वह छह महीने तक एक ही बात बोलते रहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछड़े वर्गों का सबसे बड़ा विरोध और पिछड़े वर्गों को रोकने का काम कांग्रेस ने किया है। लोकसभा से जम्मू कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2023 और जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2023 को मंजूरी मिल गई। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा में कहा कि जम्मू कश्मीर से संबंधित जिन दो विधेयकों पर सदन में विचार हो रहा है, वे उन सभी लोगों को न्याय दिलाने के लिए लाए गए हैं, जिनकी 70 साल तक अनदेखी की गई और जिन्हें अपमानित किया गया। अमित शाह ने देश के पहले प्रधानमंत्री पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर ने जवाहर लाल नेहरू की दो गलतियों की वजह से समस्याओं को झेला है। इनमें पहली संघर्ष विराम की घोषणा और फिर कश्मीर मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र में ले जाना शामिल था। यदि जवाहरलाल नेहरू ने सही कदम उठाए होते, तो पीओके हमारा हिस्सा होता। उन्होंने सदन में हुई चर्चा का जवाब देते हुए उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गरीबों का दर्द समझते हैं तथा एकमात्र ऐसे नेता हैं जिन्होंने पिछड़ों के आंसू पोंछे हैं। उन्होंने कहा कि मैं यहां जो विधेयक लेकर आया हूं, वह उन लोगों को न्याय दिलाने और उनका अधिकार दिलाने से संबंधित है, जिनके खिलाफ अन्याय हुआ, जिनका अपमान हुआ और जिनकी उपेक्षा की गई। किसी भी समाज में जो लोग वंचित हैं उन्हें आगे लाना चाहिए, यही भारत के संविधान की मूल भावना है। उन्हें इस तरह से आगे लाना होगा जिससे उनका सम्मान कम न हो। अधिकार देना और सम्मानपूर्वक अधिकार देना दोनों में बहुत अंतर है। इसलिए इसका नाम कमजोर और वंचित वर्ग की बजाय अन्य पिछड़ा वर्ग किया जाना जरूरी है।

अपने देश में शरणार्थी के रूप में रहने को मजबूर

उन्होंने कहा कि 1980 के दशक के बाद आतंकवाद का दौर आया और वह बड़ा भयावह दृश्य था। जो लोग इस जमीन को अपना देश समझकर रहते थे, उन्हें बाहर निकाल दिया गया और किसी ने उनकी परवाह नहीं की। जिन लोगों पर इसे रोकने की जिम्मेदारी थी, वे इंग्लैंड में छुट्टियों का आनंद ले रहे थे। जब कश्मीरी पंडितों को विस्थापित किया गया, तो वे अपने देश में शरणार्थी के रूप में रहने को मजबूर हो गए।

राहुल गांधी पर नाम लिए बगैर बरसे

उन्होंने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी का नाम लिए बगैर उन पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस के नेता ओबीसी की बात करते हैं। कुछ नेता होते हैं उन्हें कुछ लिखकर हाथ में पकड़ा दो तो जब तक नई पर्ची नहीं मिलती, वह छह महीने तक एक ही बात बोलते रहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछड़े वर्गों का सबसे बड़ा विरोध और पिछड़े वर्गों को रोकने का काम कांग्रेस ने किया है।

न्यायिक परिसीमन पर भी बोले शाह

अमित शाह ने कहा कि 5-6 अगस्त 2019 को कश्मीर से अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को समाप्त करने के संबंध में जो विधेयक संसद में लाया गया था, उसमें यह बात शामिल थी और इसलिए विधेयक में न्यायिक परिसीमन की बात कही गई है। गृह मंत्री ने कहा कि अगर परिसीमन पवित्र नहीं है तो लोकतंत्र कभी पवित्र नहीं हो सकता। इसलिए हमने विधेयक में न्यायिक परिसीमन की बात की है।

तो कश्मीरी पंडितों को घाटी छोड़कर नहीं जाना पड़ता

उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर पुनर्गठन संशोधन विधेयक उन सभी लोगों को न्याय दिलाने के लिए लाया गया है, जिनकी 70 साल तक अनदेखी की गई और जिन्हें अपमानित किया गया। करीब 46,631 परिवार और 1,57,967 लोग जम्मू कश्मीर से देशभर में विस्थापित होने को मजबूर हुए, उन्हें न्याय दिलाने के लिए सरकार विधेयक लाई है। अगर वोट बैंक के बारे में सोचे बिना शुरुआत में ही आतंकवाद से निपटा जाता तो कश्मीरी पंडितों को घाटी

विधानसभा में सीट आरक्षित करने का प्रस्ताव

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जम्मू कश्मीर के जिन दो विधेयकों पर यहां विचार हो रहा है, उनमें से एक में एक महिला समेत कश्मीरी विस्थापित समुदाय के दो सदस्यों को विधानसभा में मनोनीत करने का प्रस्ताव है। इसके अलावा एक सीट पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से विस्थापित लोगों के लिए आरक्षित की जाएगी।

विस्थापितों पर ही यह बात

शाह ने कहा कि पाकिस्तान ने 1947 में कश्मीर पर हमला किया, जिसमें लगभग 31,789 परिवार विस्थापित हुए। 1965 और 1971 के युद्धों के दौरान 10,065 परिवार विस्थापित हुए। 1947, 1965 और 1969 के इन तीन युद्धों के दौरान कुल 41,844 परिवार विस्थापित हुए।

सुखदेव सिंह गोगामेड़ी हत्याकांड में एसआईटी गठित

हत्यारों पर पांच-पांच लाख का इनाम

एजेंसी

महेंद्रगढ़/जयपुर (हरियाणा)। राजस्थान में राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के प्रमुख सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की उनके घर में घुसकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज में दिख रहे दोनों हत्यारोपियों की पहचान कर ली है। इनमें एक राजस्थान के मकराना का रोहित राठौड़ मकराना और दूसरा हरियाणा के महेंद्रगढ़ का नितिन फौजी है। राजस्थान के पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन करने के साथ वारदात में शामिल दोनों हत्यारों पर 5-5 लाख रुपये का इनाम घोषित किया है। इस बीच राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के आह्वान पर बुधवार को राजस्थान और हरियाणा के कई जिलों में बाजार-स्कूल बंद रहे और विरोध प्रदर्शन हुए। जयपुर के पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ ने बताया कि मामले की जांच के लिए अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (अपराध) दिनेश एमएन के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया है। वारदात में शामिल नितिन सेना में है और अलवर में तैनात है। उसी ने गोगामेड़ी के सिर में गोली मारी थी। ये दोनों नवीन सिंह शेखावत के साथ गोगामेड़ी के घर गए थे। उन्होंने कहा कि यह जांच का विषय है कि कपड़े की दुकान चलाने वाले शेखावत को दोनों आरोपियों के इरादों की जानकारी थी या नहीं। नवीन की जवाबी गोलीबारी में मौत हो गई थी। पुलिस ने दूसरे आरोपी की तलाश में कई जगह पर दबिश दी है।

नितिन ने 9 नवंबर को की थी हरियाणा पुलिस पर फायरिंग

महेंद्रगढ़ के गांव दौंगड़ा जाट निवासी नितिन तीन साल पहले 19 जाट बटालियन में भर्ती हुआ था। उसके पिता कृष्ण कुमार भी सेना से सेवानिवृत्त हैं। बड़ा भाई विकास भी फौज में है। इस समय वह ड्यूटी पर है। अलवर से पहले नितिन पंजाब में तैनात था। शायद इसी दौरान वह गैंगस्टर संपत नेहरा के गुर्गों के संपर्क में आया। गत 9 नवंबर को महेंद्रगढ़ के गांव खुडाना में आपराधिक वारदात को अंजाम देने दो गाड़ियों से बदमाश पहुंचे थे। उनकी घेराबंदी के लिए पहुंची पुलिस टीम पर बदमाशों ने फायरिंग कर दी थी। महेंद्रगढ़ पुलिस ने इस मामले में सदर थाने में केस दर्ज किया था। नितिन फौजी भी इस मामले में आरोपी है। पुलिस के अनुसार इस वारदात में प्रयोग की गई ब्रेजा गाड़ी नितिन फौजी की थी। अब हरियाणा पुलिस ने नितिन के गैंगस्टर से कनेक्शन की भी जांच शुरू कर दी है। वहीं, हरियाणा पुलिस का कहना है कि राजस्थान पुलिस से अभी तक नितिन या गोगामेड़ी को लेकर कोई संपर्क नहीं किया है।

6 नवंबर को आया था छुट्टी पर, 10 नवंबर को ज्वाइन करनी थी ड्यूटी

पिता कृष्ण कुमार ने बताया कि नितिन 6 नवंबर को छुट्टी पर घर आया था और उसे 10 नवंबर को ड्यूटी ज्वाइन करनी थी। 7 नवंबर को वह गाड़ी लेकर महेंद्रगढ़ में ठीक कराने गया था। शाम 4 बजे तक गाड़ी ठीक हो गई थी, जिसकी सूचना नितिन ने फोन पर दी थी। इसके बाद से नितिन का परिवार का कोई संपर्क नहीं हुआ। नितिन की शादी करीब एक वर्ष पहले राजस्थान के अलवर जिले के जाट बहरोड़ में हुई थी।

राज्यपाल ने शाह को दी जानकारी, मुख्य सचिव और डीजीपी को किया तलब

राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्रा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से फोन पर बात की और गोगामेड़ी की हत्या से उत्पन्न हालात की जानकारी दी। वहीं, राजभवन के प्रवक्ता ने बताया कि राज्यपाल ने मुख्य सचिव उषा शर्मा, डीजीपी उमेश मिश्रा, जयपुर पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ और अन्य अधिकारियों को बुलाकर स्थिति की समीक्षा की। राज्यपाल ने अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि हत्या में शामिल लोगों को जल्द गिरफ्तार किया जाए।

लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस में बड़े फेरबदल की तैयारी

एजेंसी

लखनऊ। कांग्रेस ने प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक के बाद अब जिलों की ओवरहालिंग शुरू कर दी है। करीब 15 जिलों में नए लोगों को जिलाध्यक्ष बनाया जाएगा, जबकि 60 जिलों में पुराने जिलाध्यक्षों के कंधे पर ही लोकसभा चुनाव का भार रहेगा। इसकी कवायद शुरू कर दी गई है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय ने कार्यभार ग्रहण करने के बाद क्षेत्रवार समीक्षा बैठक की। इन बैठकों ने संबंधित लोकसभा क्षेत्र की स्थिति का न सिर्फ जायजा लिया बल्कि संगठनात्मक ढांचें को दुरुस्त करने की रणनीति बनाई। यही वजह है कि उनकी 130 सदस्यीय प्रदेश कार्यकारिणी में ज्यादा युवा चेहरों को तवज्जो मिली। कार्यकारिणी में करीब 60 पुराने और 70 नए लोगों को मौका दिया गया है। मंगलवार को हुई समीक्षा बैठक में परिवर्तन यात्रा निकालने से लेकर अन्य कार्यक्रमों की रणनीति बनाई गई है। संगठनात्मक ढांचे पर विशेष रूप से फोकस किया गया है। सूत्रों की मानें तो पार्टी की रणनीति है कि कम समय को देखते हुए करीब 60 जिलाध्यक्षों को सक्रिय करके उन्हीं के कंधे पर लोकसभा चुनाव का भार रखा जाए। यही वजह है कि प्रदेश कार्यकारिणी में शामिल सभी उपाध्यक्षों, महासचिवों एवं सचिवों को निर्देशित किया गया है कि वे संबंधित जिले में जिलाध्यक्ष से पूरी तरह से समन्वय रखें। बूथ कमेटियों का गठन करें। किसी भी तरह का आपसी टकराव नहीं होना चाहिए। यदि किसी जिलाध्यक्ष से किसी वरिष्ठ नेता का टकराव है तो प्रदेश कार्यकारिणी की जिम्मेदारी होगी कि उसे दूर कराए। प्रदेश कार्यकारिणी की ओर से करीब 15 जिलों को निष्क्रियता की श्रेणी में चुना गया है। इसमें बुंदेलखंड के दो, मध्य क्षेत्र के तीन, पूर्वांचल और पश्चिम के पांच- पांच जिले हैं। इन जिलों में नए जिलाध्यक्ष देने के साथ ही पुराने को समन्वयक की जिम्मेदारी देते हुए संगठन को सक्रिय करने की रणनीति बनाई जाएगी।

सभी को जोड़ने की रणनीति

प्रदेश अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय ने बताया कि सभी वरिष्ठ नेताओं, पूर्व पदाधिकारियों को जोड़कर संगठन को सक्रिय करने की रणनीति अपनाई गई है। सभी जिलाध्यक्षों को पूरी तरह से सक्रिय होने का निर्देश दिया गया है। इसके बाद भी जो लोग पार्टी का काम नहीं कर रहे हैं, उनके स्थान पर तेज तर्रार नेताओं को मौका दिया जाएगा।

जम्मू-कश्मीर में CRPF काफिले पर हमला करने वाला आतंकी अदनान कराची में ढेर

एजेंसी

रिपोर्ट की मानें तो अज्ञात बंदूकधारियों ने अदनान को 2 और 3 दिसंबर की रात को उसके घर के बाहर जान से मार डाला। उसे चार गोलियां लगीं। इसके बाद उसे कराची के एक अस्पताल में ले जाया गया। इलाज के दौरान बीते दिन यानी पांच दिसंबर को उसकी मौत हो गई।

नई दिल्ली। पाकिस्तान में छिपे भारत के दुश्मनों को खत्म किए जाने का सिलसिला जारी है। वहां आतंकियों का खात्मा करने वाले अज्ञात शख्स या एजेंसी का खौफ इतना बढ़ गया है कि अब पाकिस्तान में बाकी बचे दहशतगर्दों में भगदड़ मच गई है। जो आतंकी कथित तौर पर जेल में बंद हैं, उन्हें भी पाकिस्तानी आईएसआई द्वारा अतिरिक्त सुरक्षा मुहैया कराने की बात कही जा रही है। ऐसे दहशतगर्द, जिन्हें कुछ समय पहले तक सार्वजनिक स्थलों पर देखा जाता था, वे भूमिगत हो रहे हैं। कई आतंकियों को बुलेटप्रूफ गाड़ियां मुहैया कराई गई हैं। इस कड़ी में अब लश्कर-ए-तैयबा का हाई ग्रेड आतंकी %हंजला अदनान%, पाकिस्तान के कराची शहर में मारा गया है। ये वही अदनान है, जिसे 2016 में जम्मू कश्मीर के पंपोर में सीआरपीएफ काफिले पर हमले का मास्टर माइंड बताया जाता है। उस हमले में 9 जवान शहीद हुए थे, जबकि डेढ़ दर्जन से अधिक जवान घायल हुए थे। पाकिस्तान के कराची में तीन दिन पहले अज्ञात हमलावरों ने हंजला अदनान को कई गोलियां मारी थी। चूंकि पाकिस्तान में इस साल करीब दो दर्जन आतंकी मारे गए हैं। इनमें से ज्यादातर आतंकियों का नाम, भारत के वांटेड दहशतगर्दों की सूची में शामिल रहा है। अदनान की मौत को %लश्कर-ए-तैयबा% चीफ, हाफिज साईद के लिए एक बड़ा झटका बताया जा रहा है। पाकिस्तान में मारे जा रहे आतंकियों को लेकर वहां की इंटेलिजेंस एजेंसी आईएसआई भी सकते में आ गई है। आईएसआई की सिक्योरिटी के बावजूद कई आतंकी मारे गए हैं। अदनान भी आईएसआई के इशारे पर जम्मू-कश्मीर में आतंकियों की घुसपैठ कराता था। लश्कर-ए-तैयबा में आतंकियों की भर्ती का काम भी अदनान देखता था। अज्ञात हमलावरों के चलते पाकिस्तान में जैश-ए-मोहम्मद डी कंपनी, %लश्कर ए तैयबा, लश्कर-ए-जब्बर और लश्कर-आई-जांगवी सहित कई आतंकी संगठनों से जुड़े दहशतगर्दों को सुरक्षा प्रदान की गई है। आईएसआई की रिपोर्ट पर लोकल पुलिस एवं दूसरे सुरक्षा बलों को इनके ठिकानों के आसपास तैनात किया गया है।

कश्मीर घाटी में मसूद अजहर के संदेश

पाकिस्तान के आतंकी संगठन, जैश-ए-मोहम्मद का संस्थापक मौलाना मसूद अजहर, जिसका नाम भारत के मोस्ट वांटेड आतंकियों की सूची में शामिल है, वह शांत नहीं बैठ रहा है। अपने गुर्गों के जरिए मसूद अजहर कश्मीर में आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहा है। एनआईए की चार्जशीट में खुलासा हुआ है कि कश्मीर घाटी में मसूद अजहर के गुर्गे उसकी तस्वीरें और भड़काऊ ऑडियो एवं वीडियो क्लिप के जरिए युवाओं को गुमराह कर उन्हें आतंक के रास्ते पर ले जाने का प्रयास कर रहे हैं। 1999 के दौरान भारतीय जेल में बंद मसूद अजहर एवं उसके दो साथियों की रिहाई के लिए आतंकियों ने भारतीय विमान का अपहरण कर लिया था। उस विमान को कंधार ले जाया गया। विमान के यात्रियों की रिहाई के बदले भारत सरकार को मसूद अजहर समेत तीन खूंखार आतंकी रिहा करने पड़े थे। अब वही मसूद अजहर, पाकिस्तान में बैठकर अपने गुर्गों की मदद से जम्मू कश्मीर में माहौल खराब करने की साजिश रच रहा है। मसूद अजहर के इशारे पर जम्मू कश्मीर में शांति व्यवस्था को खराब करने की कोशिश हो रही है।

इन टॉप आतंकियों को मिली है सुरक्षा

मुंबई हमले के मास्टरमाइंड और लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर जकी-उर-रहमान लखवी को दो वर्ष पहले पाकिस्तान की एक अदालत ने टेरर फंडिंग केस में 15 साल कैद की सजा सुनाई थी। भारत के विदेश मंत्रालय ने इसे हास्यास्पद बताया था। पाकिस्तान, एफएटीएफ की बैठक के भय से इस तरह के कदम उठाता रहता है। पर्दे के पीछे का सच, दुनिया जानती है।

अभी तक हुआ इन आतंकियों का खात्मा

इसी सप्ताह भारत के मुखर आलोचक रहे मलिक असलम वजीर की एक ब्लास्ट के जरिए हत्या कर दी गई है। यह घटना, पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा क्षेत्र में साउथ वजीरीस्तान के दाजा घुंडई इलाके में हुई थी। वजीर के साथ उसका बेटा और एक अन्य व्यक्ति भी मारा गया था। वजीर के जहरीले भाषणों से आतंकियों की भर्ती की जाती थी। जैश-ए-मोहम्मद का सरगना मौलाना मसूद अजहर का करीबी मौलाना रहीम तारिक उल्ला 13 नवंबर को कराची में अज्ञात हमलावरों की गोली का निशाना बना था। उससे पहले लश्कर ए तैयबा प्रमुख हाफिज सईद का करीबी अकरम खान उर्फ अकरम गाजी भी पाकिस्तान के बाजापुर में अज्ञात हमलावरों द्वारा मार दिया गया। पाकिस्तान में भारत के मोस्ट वांटेड एवं उनके सहयोगी लगातार मारे जा रहे हैं। आईएसआई, इन आतंकियों को महफूज रखने का प्रयास कर रही है। इसके बावजूद आतंकी, अज्ञात हमलावरों का निशाना बन रहे हैं। हालांकि आईएसआई की तरफ से ऐसा आरोप लगाया जाता है कि इन सब हत्याओं के पीछे भारतीय एजेंसियों का हाथ है।

आतंकी हमले का मास्टर माइंड ख्वाज शाहिद

पाकिस्तान में मुजफ्फराबाद की अथमुकाम तहसील में कुछ दिन पहले ही ख्वाज शाहिद उर्फ मियां मुजाहिद मारा गया था। जम्मू कश्मीर में 2018 के दौरान सेना के सुंजवान कैंप पर हुए आतंकी हमले का मास्टर माइंड ख्वाज शाहिद बताया गया था। इससे पहले पाकिस्तान में भारत के मोस्ट वॉन्टेड आतंकी दाऊद इब्राहिम की %डी कंपनी% का गुर्गा मोहम्मद सलीम मारा गया था। उसका शव, दरगाह अली शाह सखी सरमस्त के निकट ल्यारी नदी में पड़ा हुआ था।

तीन बार से ज्यादा चालान होने पर अब चालक का लाइसेंस होगा निरस्त

एजेंसी

लखनऊ। मुख्य सचिव ने बुधवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये जिलाधिकारियों और मंडलायुक्तों के साथ विभिन्न विभागों के कामकाज की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने कहा कि जिलों में उपलब्ध क्रिटिकल केयर सुविधा का भी समय-समय पर निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं ताकि सड़क दुर्घटना से प्रभावित व्यक्तियों को जिलों में उपचार मिल सके।

मुख्य सचिव ने किसी भी वाहन चालक का तीन बार से अधिक चालान होने पर उनका लाइसेंस निरस्त करने के निर्देश दिए हैं। लाइसेंस निरस्त होने के बाद भी यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर उनके वाहन का पंजीयन निरस्त करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने बुधवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये जिलाधिकारियों और मंडलायुक्तों के साथ विभिन्न विभागों के कामकाज की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने कहा कि जिलों में उपलब्ध क्रिटिकल केयर सुविधा का भी समय-समय पर निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं ताकि सड़क दुर्घटना से प्रभावित व्यक्तियों को जिलों में उपचार मिल सके। मुख्य सचिव ने सड़क दुर्घटना में 50 फीसदी कमी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने 15 से 31 दिसंबर तक सड़क सुरक्षा पखवाड़ा में वाहनों की जांच सहित अन्य आवश्यक कार्य करने के निर्देश दिए।

6 दिसंबर बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर परिनिर्माण दिवस

द अचीवर टाइम्स - महेन्द्र कुमार

हसनगंज (उन्नाव)। ग्राम पंचायत बीबीपुर में 6 दिसम्बर परिनिर्वाण दिवस कार्यक्रम का हुआ आयोजन अन्य ग्राम पंचायत मटरिया समेत पूरे प्रदेश में कई जगह-जगह भव्य कार्यक्रम के किए गए जिसमें बीबीपुर में डॉक्टर अंबेडकर जन कल्याण समिति के द्वारा कार्यक्रम आयोजित कर नन्हे मुन्ने बच्चों को भारत रत्न संविधान निर्माता बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के जीवन परिचय के बारे में बताया गया बच्चों को महापुरुषों की पहचान कराई स्कूली बच्चों को बाटी कॉपी , पेन , पेंसिल , रबड़ बच्चों का मुंह मीठा कराकर कार्यक्रम का किया समापन। वही युवा संघर्ष दल के द्वारा मटरिया बौद्ध विहार विकास खण्ड हसनगंज में आयोजित कार्यक्रम में बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि करते हुए उनके जीवन परिचय से अवगत कराते हुए युवा संघर्ष दल के अध्यक्ष अभिषेक प्रधान मटरिया के द्वारा बाबा साहब के बलिदानों को याद करते हुए उन्होंने कहा समाज के लिए बाबा साहब ने अपने चार-चार बच्चों की बलदानी कर दी उसके बदले में हमने वह समाज ने उनको क्या दिया कहा बाबा साहब ने कहा था शिक्षित और संगठित रहो और संघर्ष करो क्या उनके विचारों पर हम लोग या हमारा समाज चल रहा है क्या वास्तव में हम अपने बच्चों को शिक्षित कर रहे हैं शिक्षा के क्षेत्र में हम सबको बहुत ही गंभीरता पूर्वक ध्यान देने की जरूरत है बच्चों को शिक्षित जरूर करें यह ग्रामीणों को संदेश देते हुए कार्यक्रम का किया समापन मौके पर रचित गौतम, श्रीकांत गौतम, करन गौतम , सुनील गौतम , शुभम वर्मा , रमेश प्रधान , डॉक्टर रमेशचंद्र , विष्णू कुमार , डॉक्टर अरविंद कुमार , महेंद्र कुमार , रामबरन , अमित कुमार गौतम, अर्जुन कुमार रावत , रवि जाटव , प्यारेलाल रावत , महेंद्र कुमार , सौरभ गौतम , सचिन जाटव ,शुभम कुमार गौतम , विनय धौरा समेत सैकड़ो ग्रामीण व संगठन के युवा साथी रहे मौजूद।

निगरानी समिति की सदस्या ने की अधिकारियों संग बैठक

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। माननीय सदस्य, राज्य स्तरीय निगरानी समिति, उ0 प्र0 शासन की कविता तिसावड़ वाल्मीकि का आगमन जनपद में हुआ। उन्होंने निरीक्षण भवन स्थित कक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ सफाई कर्मचारियों की समस्याओं और वाल्मीकि समाज के लोगों के लिए चलाई जा रही सरकारी योजनाओं के संबंध में चर्चा की। निगरानी समिति की सदस्या ने समाज कल्याण अधिकारी से वाल्मीकि समाज के लोगों के लिए चलाई जा रही योजनाओं के संबंध में विचार विमर्श करते हुए उन्हें निर्देश दिया कि सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ उन्हें अवश्य दिया जाए। साथ ही उन्हें योजनाओं के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराने के लिए उसका प्रचार प्रसार भी कराया जाए। कैंप लगाकर लोगों को स्वरोजगार करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाए। ईओ नगर पालिका को निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि सभी सफाई कर्मचारियों को आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराया जाए जिससे कि किसी भी प्रकार की अनहोनी को होने से रोका जा सके। उन्होंने कहा कि कोरोना कल के दौरान जिन भी सफाई कर्मचारियों की मृत्यु हो गई हो उनके बच्चों को बेहतर शिक्षा, सुरक्षा और स्वास्थ्य की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। इस अवसर पर समाज कल्याण, नगर पालिका, शिक्षा विभाग व अन्य विभागों के अधिकारी गण उपस्थित रहे।

ब्लॉक परिसर में बना शौचालय चढ़ा भ्रष्टाचार की भेंट

द अचीवर टाइम्स- नीरज शुक्ला

रामनगर बाराबंकी। जन मानस की एक कहावत है कि ÷दिया तले अंधेरा ही रहता है तो वास्तव में यह ब्लॉक परिसर रामनगर में देखने को मिला है।इस परिसर के अंदर बने शौचालय से भ्रष्टाचार की बू आ रही है। ज्ञात हो कि कुछ महीने पहले लाखों की लागत से इस शौचालय का कायाकल्प ठेकेदारों के द्वारा कराया गया था लेकिन उसके बाद भी यह शौचालय इस्तेमाल करने के लायक नही है, सौचालय की छत पर टंकी तो रखी है लेकिन पानी की व्यवस्था नही है। शौचालय के अंदर गंदगी भरमार है। लेकिन साफ सफाई नही होती है। सूत्रों की माने तो आवास के सामने बने शौचालय में हुई कायाकल्प को लेकर भारी भ्रष्टाचार किया गया। लाखों रुपए कायाकल्प में खर्च करने के बाद भी यह शौचालय लोगों के प्रयोग में नहीं है। संवाददाता ने जब इस शौचालय का कवरेज किया तो इसकी हालत बद से बत्तर पाई गई गंदगी का अंबार था। जब ब्लॉक परिसर में बने शौचालय की ये दुर्गति है और इस तरह का भ्रष्टाचार है तो अन्य जगहों पर बने शौचायलयों की दुर्गति और भ्रष्टाचार का वर्णन ही नहीं किया जा सकता है। हमारे संवाददाता ने इस संबंध में जब ब्लॉक के अवर अभियंता पी.के. गौतम से कायाकल्प पर होने वाली खर्च की जानकारी मांगी तो उन्होंने कहा कि हम इस समय बाहर हैं बिना फाइल देख बताएं यह संभव नही है। इसके बाद जब ब्लॉक में अकाउंटेंट इंद्र मोहन से जानकारी करना चाहा तो उन्होंने भी जानकारी देने में कन्नी काट रहे है। सूत्रों की माने तो इस शौचालय में हुए कायाकल्प को लेकर सरकारी धन का खूब जमकर बंदरबांट हुआ है।

एक नज़र

ठंड से बचाव हेतु फाउंडेशन ने शुरू करी मुहिम

गौ वंशो को ठंड से राहत देने हेतु सरकारी गौ शालाओं में अलाव और पर्याप्त भोजन की व्यवस्था हेतु की मांग।

द अचीवर टाइम्स मुकेश राजपूत

उन्नाव। कर्म क्रांति सेवा फाउंडेशन रजिस्टर्ड सामाजिक संस्था उन्नाव द्वारा आम जनमानस की आवाज को जिला अधिकारी कार्यालय पहुंचाया गया , इस कार्य में आज जिला अधिकारी कार्यालय में सिटी मजिस्ट्रेट अरुण मणि तिवारी को संस्था की तरफ से ज्ञापन सौंपते हुए सरकारी गौ शालाओं में मौजूद गौ वंश को ठंड से बचाने हेतु उन्नसो जनपद में चौड़ीकरण के लिए सड़को और हाईवे बनने से पहले काटे गए पेड़ो की जड़ों (मुंजड़) को गौ शालाओं में डलवाने हेतु और उनके खाने पीने की उचित व्यवथा करने हेतु सामूहिक रूप से मांग की गई इस मांग को लेकर संस्था के संस्थापक चेतन मिश्रा वह उनकी संस्था के चालीस से अधिक लोग पहुंचे जिनमे , महिलाए , बहनें , व्यापारी , अधिकवक्ता , शिक्षक , पूर्व सैनिक ,पत्रकार आदि सभी मौजूद रहे , सभी वर्गो के सम्मानित लोगों ने कुछ दिनो पूर्व संगठन से यह मांग रखी थी की जनपद में बेजुबानों और अन्ना गौ वंशो के प्रति संस्था के साथ आगे आकर यह बात उच्च अधिकारियों तक पहुचानी चाहिए, सभी के विचारो को सुनकर फाउंडेशन परिवार और संस्थापक ने निर्णय लिया और संस्था की तरफ से ज्ञापन देकर गौ वंशो के बचाव हेतु अपनी मांग रखी! और सिटी मजिस्ट्रेट ने मांग को स्वीकार कर शीघ्र की कार्य करवाने का आश्वाशन दिया , इस मुद्दे को विशेष तौर पर व्यापारी और गौ सेवा से जुड़े सेवक अमित वर्मा ने और अनिल त्रिवेदी ने फाउंडेशन तक पहुंचाया था। ज्ञापन देने में संस्था के संस्थापक के साथ वरिष्ट अधिवक्ता अजेंद्र अवस्थी ,महामंत्री बार अजीत कुमार, व्यापारी अमित वर्मा, अनिल त्रिवेदी, फौजी दिलीप सिंह ,सतीश बाजपेई, राजेश मिश्रा, महिलाओ में रेनू वर्मा, नीतू तिवारी, शिक्षक अंबुज मिश्रा, अवनीश कुमार, आदि लोगों के साथ संतोषी सिंह, रननो देवी, ज्योति पांडे, शालू तिवारी, सरिता देवी, आरती वर्मा, सोनी वर्मा, सविता शुक्ला, फौजी श्याम सुंदर बाजपेई, फौजी अशोक कुमार दिक्षित, फौजी फौजी रवि शंकर मिश्रा ,फौजी प्रमोद दिक्षित, फौजी संजय कुशवाहा, फौजी कमल सिंह , फौजी विनोद कुमार वरिष्ट पत्रकार प्राचीन मिश्रा, पत्रकार अभिषेक पांडे, पत्रकार आशीष दीक्षित, पत्रकार सतीश गौतम, पत्रकार सुमित राठौर आदि पैंतीस लोग शामिल रहे संस्था का कहना है आगे भी सभी लोग मिलकर गौ।सेवा के प्रति उन्नाव की जनता को जागरूक करेंगे और ऐसी जनहित की मांगों को लेकर उच्च अधिकारी गण से और जनप्रतिनिधियों से मदद भी मांगेंगे।

अत्यधिक तेज रफ्तार डम्फर ने ली और एक जान

द अचीवर टाइम्स संवाददाता आशीष सिंह

हसनगंज उन्नाव। थाना क्षेत्र के हरौनी शम्सशुदीनपुर गांव के निकट तेज रफ्तार डम्फर ने बुलेट मोटरसाइकिल में मारी जोर दार टक्कर पति हुआ घायल पत्नी की हुई मौके पर दर्दनाक मौत सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सी एच सी हसनगंज लाई और वहां से पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जानकारी के अनुसार श्रवण कुमार पुत्र मुनेश्वर प्रसाद उम्र 35 वर्ष अपने निवास स्थान दादूपुर थाना बंथरा जनपद लखनऊ से अपनी पत्नी नीतू उम्र 30 वर्ष के साथ औरास क्षेत्र के गांव मृत्यु की सूचना पर जा रहे थे अभी वह हरौनी शम्सशुदीनपुर गांव के पास पहुंचे ही थे की पीछे से आ रहे तेज रफ्तार डम्फर ने बुलेट मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मारी टक्कर लगने से महिला गिर गयी और डम्फर ने महिला को रौंद दिया जिससे घटना स्थल पर ही महिला की मौत हो गयी और श्रवण भी घायल हो गया जैसे ही ग्रामीणों को सूचना मिली तो ग्रामीणों ने डम्फर को घेर लिया और पुलिस को सूचना दी सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर सी एच सी हसनगंज लाई और पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया मृतक नीतू से दो बच्चे हैं लड़के का नाम नितिन 13 वर्ष व लड़की निमिषा उम्र 11 वर्ष है।

जिला स्वास्थ्य समिति शासी निकाय की बैठक 11 दिसम्बर को

द अचीवर टाइम्स निशान्त शुक्ला

हरदोई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी रोहताश कुमार ने बताया है कि जिला स्वास्थ्य समिति शासी निकाय की बैठक जिलाधिकारी की अध्यक्षता मे 11 दिसम्बर 2023 को अपरान्ह् 03 बजे से कलेक्टेऊट सभागार मे आहूत की गयी है। उन्होंने सम्बन्धित से अनुरोध किया है कि उक्त बैठक हेतु नियत तिथि व समय पर प्रतिभाग करने का कष्ट करें।

दिव्यांग मतदाताओं की सुविधा के लिए लगेंगे दिव्यांग मित्र

बाराबंकी। आगामी लोकसभा चुनाव के दौरान शत प्रतिशत दिव्यांगजन मतदान कर सकें, इसको लेकर अभी से तैयारी शुरू हो गई है। दिव्यांगों के लिए हर मतदान केंद्र पर रैंप बनेगा। व्हीलचेयर और ट्राई साइकिल की व्यवस्था रहेगी। इसके साथ ही दिव्यांगों की मदद के लिए दिव्यांग मित्र तैनात किए जाएंगे। दिव्यांग मतदाताओं की मतदान स्थलवार टैगिंग कराई जा रही है। अब तक करीब 18,333 दिव्यांग मतदाताओं की टैगिंग हो चुकी है। प्रत्येक मतदान केंद्र पर दिव्यांगों के लिए रैंप की अनिवार्य रूप से उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाएगी। इसके लिए परिषदीय विद्यालयों के अलावा इंटर कॉलेज, पंचायत भवनों का चिह्नांकन किया जाएगा। अधिक दिव्यांग मतदाता वाले बूथों पर अनिवार्य रूप से व्हीलचेयर / ट्राई साइकिल की व्यवस्था रहेगी। इसके लिए विधानसभा चुनाव के समय खरीदी गई व्हीलचेयर को उपयोग में लाया जाएगा। दिव्यांगों को मतदान के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में अधिक दिव्यांग मतदाताओं वाले मतदान स्थल में से कम से कम एक को मॉडल बूथ बनाया जाएगा।

ब्लाक प्रागंण में आयोजित होगा दो दिवसीय कृषक गोष्ठी/मेला का आयोजनः डीएम

स्वयं गोष्ठी में प्रतिभाग कर कृषकों को योजनाओं की जानकारी उपलब्ध करायेःएमपी सिंह

द अचीवर टाइम्स निशान्त शुक्ला हरदोई। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने कृषक भाईयों का अवगत कराया है कि उद्यान विभाग द्वारा संचालित राष्ट्रीय कृषि विकास योजना 30 जनपद नान एन0एच0एम0 योजना के अन्तर्गत 11 दिसम्बर 2023 को विकास खण्ड बिलग्राम के प्रांगण में दो दिवसीय कृषक गोष्ठी /मेला का आयोजन किया जायेगा। जिलाधिकारी ने डीडी कृषि सहित समस्त संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा है कि अपने विभाग का स्टाल लगाते हुए स्वयं गोष्ठी में प्रतिभाग कर कृषकों को अपनी विभागीय योजनाओं की विस्तार से जानकारी उपलब्ध करायें।

ब्लॉक में परिनिर्वाण दिवस का आयोजन

द अचीवर टाइम्स- नीरज शुक्ला

रामनगर बाराबंकी। आज सुबह ब्लॉक सभागार कक्ष में आज बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर रामनगर खंड विकास अधिकारी अमित त्रिपाठी की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित किया गया। बाबा साहब के चित्र पर उपस्थित जनों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किये। डॉ.भीमराव अंबेडकर के व्यक्तित्व कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए श्री त्रिपाठी ने कहा कि बाबा साहब ने देश का संविधान बनाया तथा गरीबों के उत्थान सहित तमाम कार्य किये। एडीओ पंचायत राम आसरे, एडीओ आईएसबी जयराम बाल्मीकि,एडीओ कोऑपरेटिव निरंकार यादव, सीएचसी अधीक्षक एल बी गुप्ता ने भी बाबा साहेब द्वारा सामाजिक उत्थान व देश के लिए किए गए कार्यों के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर एपीओ दीप्ति चंद्रा,अशोक आनंद,गोविंद कुमार, संदीप वर्मा,कमलेश ,सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

अपर मुख्य चिकित्साधिकारी बनने पर स्टाफ ने फूलो का हार पहनाकर दी शुभकामनाएं

द अचीवर टाम्स - महेन्द्र कुमार

मियागंज (उन्नाव)। हसनगंज तहसील क्षेत्र के मियागंज दाऊ जी ढ़ाबा पर डॉ राजेश कुमार वर्मा का प्रमोशन होने पर अपर मुख्य चिकित्साधिकारी बनने की खुशी में वरिष्ठ क्षय रोग पर्वेक्षक राम प्रकाश यादव द्वारा स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें सीएचसी स्टाफ सहित क्षेत्रीय लोगों ने फूल माला पहनाकर स्वागत किया । स्वागत से अभिभूत डॉ राजेश कुमार वर्मा अपर मुख्य चिकित्साधिकारी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुवे कहा मैं एक डॉक्टर के रूप में आमजनमानस की सेवा करता रहूँगा । इस अवसर पर चिकित्सा प्रभारी मियाँगंज डॉ नितिन श्रीवास्तव,चिकित्साधिकारी डॉ दूधनाथ राम, डॉ अखिलेश मिश्रा, वरिष्ठ क्षय रोग पर्वेक्षक राम प्रकाश यादव, डॉ कासिफ तनवीर, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी सरोज बाला, एस दयाल ग्रुप के चेयरमैन स्वामी दयाल गुप्ता, बजाज मोटर्स संचालक विपिन गुप्ता, पूर्व प्रधान सरोज सैनी, पूर्व प्रधान योगेन्द्र गौड़, राजवीर यादव,अखिलेश तिवारी, इरशाद खां, सुमित जायसवाल, जितेन्द्र, छोटू, विकास, सौरभ शर्मा, पृथ्वीपाल कुरील सहित अन्य लोग उपस्थित रहें ।

दो मोटरसाइकिलों की भिड़ंत में किसान की हालत गंभीर

द अचीवर टाइम्स मुकेश राजपूत

उन्नाव। थाना सफीपुर छेत्र देर शाम खेतो से वापस आ रहे किसान की मोटरसाइकिल में सामने से तेज रफ्तार मोटरसाइकिल सवारो की भिंडत हो गई। किसान गंभीररूप से घायल। सफीपुर थाना क्षेत्र के परियर चकलवंशी मार्ग पर देर शाम सुब्बा खेड़ा गांव निवासी मूलचन्द्र लोधी पुत्र भगवानदीन अपने खेत से काम करके मोटरसाइकिल से अपने घर वापस आ रहा था तभी जानकी कुंड वा सुब्बा खेड़ा के बीच स्थिति पेट्रोल पंप से कुछ दूर पर ही चकलवंशी की ओर से आ रही तेज रफ्तार टीवीएस राइडर मोटर साइकिल सवार दो अज्ञात युवकों की सामने से टक्कर किसान की गाड़ी से हो गई। टक्कर लगने के बाद किसान के सर में गंभीर चोट लगने से घायल हो गया। स्थिति गम्भीर देखते हुए मोटरसाइकिल सवार दोनो युवक गाड़ी छोड़ मौके से भाग निकले। घटना के वक्त दोनों की बाइक सवारो ने हलेमेट नही पहन रखा था। घटना की जानकारी के बाद किसान को पास के एक निजी अस्पताल में पुलिस की मदद से भर्ती करवाया गया जहा पर घायल का इलाज शुरू किया गया।

भला इनको कौन पढ़ाये यातायात का पाठ?

द अचीवर टाइम्स राज जायसवाल

लखनऊ। लखनऊ के आम नागरिक को यातायात के नियमों व जागरूकता का पाठ पढ़ाने वाली लखनऊ कमिश्नरेट पुलिस को आखिर कौन पाठ पढ़ाएगा? नियमों का अनुपालन न करने वालों का चालान करने वाली पुलिस का आखिर चालान कौन करेगा? कानून की रखवाली करने वाले ही जब कानून का उल्लंघन करें आम लोगों से उम्मीद ही क्या की जा सकती है। लखनऊ कमिश्नर रेट पुलिस ने दो पहियां वाहन चालकों को हेलमेट पहनने और कार चालकों को शीट बैल्ट लगाकर वाहन चलाने की नसीहत देती है और दी जा रही है। वहीं एक ओर पुलिस जहां लोगों को यातायात नियमों का पाठ पढ़ाती नजर आई तो दूसरी ओर पुलिस का एक जवान बिना हेलमेट पहने बाइक रॉन्ग साइड दौड़ता दिखाई दिया। जनाब ने अपंनी बाइक पर बड़े शान से पुलिस लिखवाया हुआ है लेकिन पुलिस में होने के बावजूद यह खुद यातायात नियमों का पालना करना भूल गए। इतना ही नहीं आरएसओ बिना नंबर की बुलेट पर सवार नजर आए। सोचने वाली बात यह है कि कानून के रक्षक और लोगों को यातायात नियमों का पाठ पढ़ाने वाले पुलिस कर्मी खुद यहाँ ट्रैफिक रूल्स की धज्जियां उड़ाने में लगे हैं तो ऐसे में यह आम जनता को किया सीखा पाएंगे।

महापरिनिर्वाण दिवस पर जिला पंचायत सदस्य ने मूर्ति पर अर्पित किए श्रद्धा सुमन

द अचीवर टाइम्स दीपक कनौजिया।

माल/मलिहाबाद गरीबों सोषितो दिलतो के मसीहा भारतीय संविधान के निर्माता बाबा साहब डा0 भीम राव अंबेडकर जी 6 दिसंबर 1956 को पंचतंत्र में विलीन हो गए थे। संविधान निर्माता अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ और समाजसुधारक, श्रमिकों और महिलाओं के अधिकारों के समर्थक, बोधिसत्व भारतरत्न परमपूज्य बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर जी के महापरिनिर्वाण दिवस पर जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि रामचरन भास्कर जी ने मूर्ति पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया किया। और बाबा साहब के संघर्षो को याद किया।

लखनऊ में लडकियां निडर करें वोट की फिकर करे

❖ अट्ठारह वर्षीया लडकियां को खुद सोच-विचार कर वोट देने का भी अधिकार ले।

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश राजधानी लखनऊ में आपने आस-पास के लोगों को वोट देने के लिए जागरूक कर पाए। अट्ठारह वर्षीया लडकियां को खुद सोच-विचार कर वोट देने का भी अधिकार है, लडकियां बिना किसी की राय लिए और बिना डरे, आपना एक क़ीमती वोट दे पाए। इन तमाम चीजों को सोचते हुए रेड ब्रिगेड लखनऊ और ऐमरन फाउंडेशन के संत्युंक्त तत्वाधान ने अभियान की शुरुआत की है जिसका यह नारा दिया गया हैं %लड़की निडर, करे वोट की फ़िकर% रेड ब्रिगेड की टीम ने अपनी ट्रेनिंग को सफ़लता पूर्वक सफल बनाया हैं। वहीं 6 दिसम्बर को रेड ब्रिगेड लखनऊ की टीम ने एस.डी.एस. एन इंटर कॉलेज,देवरी रूखारा, राजकीय हाई स्कूल, पहाड़पुर, महामाया डिग्री कॉलेज,मोहना* पहुंची। चल रहे अभियान के सातवें दिन लडकियों को सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग दी गई, साथ ही उन्हें वोट की महत्वता बताई गई और लडकियों को निडर होकर वोट देने की सलाह दी गई। कॉलेज की छात्राओं ने इस पूरे कार्यक्रम में आपनी भागेदारी निभाई और ट्रेनिंग को ध्यान पूर्वक समझा। इस कार्यक्रम को रेड ब्रिगेड की मानसी सिंह जी ने सम्भाला व टीम के सदस्य के साथ मिलकर स्कूल/ कॉलेज की छात्राओं को ÷सेल्फ डिफेंस का प्रशिक्षण भी दिया, और ÷सभी लड़कियों/शिक्षकों को आत्मरक्षा की शिक्षा अनिवार्य हो÷ के लिए जागरुक किया। जिसमें वहां की छात्राओं और शिक्षकों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया आज के पूरे कार्यक्रम को रेड ब्रिगेड लखनऊ टीम के सदस्य मानसी सिंह, शिवम यादव ,सलोनी व अखिलेश भैया के सहयोग से पूर्ण किया गया।

गूंजी शहनाई, 180 जोड़ों ने थामा एक-दूजे का हाथ

कोठी (बाराबंकी)। विधानसभा हैदरगढ़ के कोठी चौराहा स्थित एचएलवी इंटर कॉलेज परिसर में बुधवार को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें विधानसभा के तीनों ब्लॉकों के 180 जोड़ों ने एक दूसरे का हाथ थामा। इनमें 178 जोड़ों ने फेरे लिए तो दो का निकाह पढ़वाया गया। सिद्धौर ब्लॉक क्षेत्र के कोठी पंचायत स्थित एचएलवी इंटर कॉलेज परिसर में सामूहिक विवाह कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक हैदरगढ़ दिनेश रावत ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। जिला समाज कल्याण अधिकारी एसपी सिंह ने बताया कि त्रिवेदीगंज, सिद्धौर व हैदरगढ़ ब्लॉकों के साथ नगर पंचायत हैदरगढ़ व सिद्धौर के 199 जोड़ों का पंजीकरण कराया गया था। इनमें 180 जोड़े वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे। इस मौके पर गायत्री परिवार के पुरोहितों ने पूरे विधि विधान से 178 जोड़ों के फेरों की रस्म पूरी कराई।

हमीरपुर में अपराधियों की नई सोशल मीडिया गैंग फिर तैयार

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

हमीरपुर। हथियारों के साथ फोटो खींच सोशल मीडिया पर डाला जा रहा है, जिला हमीरपुर के थाना जलालपुर में एक नई सोशल मीडिया गैंग तैयार हो गई है। इस गैंग में नए उम्र के लड़के हैं। भाटी गैंग सरगना हथियारों के साथ खुद के फोटो व वीडियो शूट कराने के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हैं ताकि क्षेत्र के लोगों में दहशत का माहौल बनाकर रंगदारी कर सके।

दहशत फैलाने के मकसद से अपलोड करता तस्वीरें

उत्तर प्रदेश के हमीरपुर मे सुंदर भाटी गैंग के सक्रिय सदस्यों की आए दिन फोटो अवैध हथियार के साथ सोशल मीडिया पे वायरल अवैध असला एवं चोरी के अवैध असलाहों के साथ में आए दिन फोटो वायरल होने से गांव में दहशत का माहौल बना रहे हैं गांव में आए दिन धमकाने जैसा वारदात को अंजाम दिया जाता हैं दरअसल ये लोग जिनकी तस्वीर असलाहो के साथ वायरल है वो सभी सुंदर भाटी गैंग के सक्रिय सदस्य हैं और उनके खिलाफ पूर्व में स्कॉर्पियो सहित पुलिस मुठभेड़ में यह गिरफ्तार हुए थे जो व्यक्ति गिरफ्तार हुए थे उसका नाम उपदेश सिंह उर्फ नीलू चौहान बताया गया था फिलहाल नीलू चौहान उसके भाई धीरज चौहान का गांव में आतंक एवं भय

मुख्यमंत्री योगी का एलान

डॉ. आंबेडकर पर शोध करने वाले छात्रों को दी जाएगी छात्रवृत्ति

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि डॉ भीमराव आंबेडकर का हर कार्य, हर निर्णय %अंत्योदय% को समर्पित था। उनका पूरा जीवन लोकतंत्र की जीवंत पाठशाला है। डॉ भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनके अस्थिकलश स्थल का जायजा लिया और उनकी प्रतिमा पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर उन्होंने एलान किया निर्माणाधीन आंबेडकर स्मारक में शोध करने वाले छात्रों को प्रदेश सरकार की तरफ से छात्रवृत्ति दी जाएगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश वासियों की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। बाबा साहब ने कहा था कि हम सबसे पहले और अंत में भारतीय हैं। जो लोग भारत को कोसते हैं वह बाबा साहब का भी अपमान करते हैं। दुनिया में जब भी दबे-कुचले समाज के उत्थान की बात आती है तो बाबा साहब का नाम याद आता है। हमने समाज को जाति के आधार पर नहीं बांटा बल्कि गरीब, दलित, कमजोर वर्ग के विकास पर ध्यान दिया। हर गरीब और वंचित को प्रधानमंत्री आवास और शौचालय की सुविधा का लाभ मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि यूपी में सपा की सरकार चेहरा देखकर लाभ देती थी। दलितों और गरीबों के नाम पर राजनीतिक रोटी सेकी जाती थी लेकिन करते कुछ नहीं थे। मोदी सरकार ने बाबा साहब के सपनों को साकार किया है। जो लोग भारत विरोधी गतिविधियां चला रहे हैं वह

बाबा साहब का अपमान करते हैं। यह सरकार हर गरीब और दलित के साथ खड़ी है।

हर गरीब और दलित को आवास और राशन कार्ड की सुविधा दी गई है

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि बाबा साहब की प्रेरणा से हर गरीब और दलित को आवास और राशन कार्ड की सुविधा दी गई है। किसी प्रकार का छुआछूत नहीं हो इस मिशन पर काम कर रहे हैं। प्रत्येक गरीब को आवास दिलाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। श्रमिकों के बच्चों के लिए कॉन्वेंट स्कूल की तर्ज पर अटल आवासीय विद्यालय बनाया गया है। हर जिले में परिनिर्वाण दिवस के कार्यक्रम हो रहे है। बाबा साहब के संकल्प से लोगों को जोड़ रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि आधुनिक भारत के निर्माण में अविस्मरणीय योगदान देने वाले बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर का पूरा जीवन लोकतंत्र की जीवंत पाठशाला है। संविधान शिल्पी, %भारत रत्न% बाबा साहब का हर कार्य, हर निर्णय %अंत्योदय% को समर्पित था। ऐसे हुतात्मा को उनके महापरिनिर्वाण दिवस पर विनम्र श्रद्धांजलि! आधुनिक भारत के निर्माण में अविस्मरणीय योगदान देने वाले बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर का पूरा जीवन लोकतंत्र की जीवंत पाठशाला है।

आंबेडकर महासभा दलितों की लाइफ लाइन है

इस मौके पर उनके साथ उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, समाज कल्याण राज्यमंत्री स्वतन्त्र प्रभार असीम अरुण और आंबेडकर महासभा के लालजी निर्मल भी मौजूद थे। लालजी निर्मल ने कहा कि आज पूरी दुनिया में डॉ. आंबेडकर का परिनिर्वाण दिवस मनाया जा रहा है। महासभा भी 32 साल से आयोजन कर रही है। महासभा दलितों की लाइफ लाइन है। महासभा के मंच से ही पिछड़े वर्गों को 27 प्रतिशत आरक्षण की घोषणा की गई थी। इसी मंच से हरिजन शब्द प्रतिबंधित किया गया था। कुशीनगर में डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा लगनी थी लेकिन अखिलेश यादव ने उसे ठंडे बस्ते में डाल दिया।

आंबेडकर स्मारक को लीज पर दिया जाए

लालजी निर्मल ने कहा कि अनुसूचित जाति की सूची में समय-समय पर कुछ जातियों को शामिल किया जाता है। उस पर आपत्ति नहीं हैं जिन जातियों को शामिल किया जाता है उससे पहले यह ध्यान दिया जाए कि क्या वह जाति छुआछूत का शिकार रही है। उन्होंने कहा कि लखनऊ में बन रहे आंबेडकर स्मारक को लीज पर आंबेडकर महासभा को दे दिया जाए।

राजस्थान में योगी जैसा सीएम ढूंढा जा रहा है

समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने कहा कि आज हम सबके लिए बाबा साहब के जीवन से प्रेरणा लेने का दिन है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संकल्प लिया है कि यूपी को विकसित राष्ट्र की तरह बनाना है। राजस्थान में योगी जैसा सीएम ढूंढा जा रहा है यह हमारे लिए गौरव की बात है। वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने के लिए हर घर की आय को तीन से चार गुना बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने वोट का अधिकार दिया है। उन्होंने कहा कि अक्सर यह गलती होती है कि बाबा साहब को सामाजिक न्याय का पुरोधा बताया जाता है लेकिन बाबा साहब ने श्रमिक कल्याण के लिए भी बहुत काम किया। अखिलेश यादव बाबा साहब से माफ़ी मांगें। माफी मिलने के बाद जय भीम का नारा लगाने की बात सोचें। जब अखिलेश को ताकत मिली तो उन्होंने दलित वर्ग के लिए क्या किया। बाबा साहब से प्रेरणा मिलती है कि हम सदैव छात्र बनकर सीखते रहे। बाबा साहब सही मायने ने विश्व गुरु थे।

एक नज़र

गर्भगृह में स्थापित होगी भगवान श्रीराम के पांच वर्षीय बालरूप की प्रतिमा, 90 प्रतिशत काम पूरा

लखनऊ। भगवान श्रीराम के पांच वर्षीय बालरूप की प्रतिमा राम मंदिर के गर्भगृह में स्थापित की जाएगी। तीन स्थानों पर प्रतिमा का निर्माण किया जा रहा है। श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा कि राम जन्मभूमि मंदिर में भगवान राम के 5 वर्षीय बाल रूप की पत्थर की खड़ी प्रतिमा 4 फीट 3 इंज का निर्माण अयोध्या के 3 तीन स्थानों पर किया जा रहा है। तीन कारीगर इसे तीन अलग-अलग पत्थरों में बना रहे हैं। ये प्रतिमाएं करीब 90 प्रतिशत तैयार हैं। एक सप्ताह का फिनिशिंग का काम बाकी है। मूर्ति को भूतल पर गर्भगृह में स्थापित किया जाएगा। मंदिर का ग्राउंड फ्लोर लगभग तैयार हो चुका है इसलिए %प्राणप्रतिष्ठा% में कोई समस्या नहीं होगी। उन्होंने बताया कि प्राणप्रतिष्ठा समारोह में कम से कम 4000 संतों को आमंत्रित किया जा रहा है। सूची तैयार है और कोशिश की जा रही है कि 50 देशों से एक-एक प्रतिनिधि भी जरूर आएं। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा की तारीख 22 जनवरी तय की गई है। प्राण प्रतिष्ठा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। इसके पहले भी वह 15 दिसंबर को अयोध्या में बन रहे श्रीराम एयरपोर्ट का उद्घाटन करने के लिए भी आ सकते हैं।

सभी टीबी मरीजों की डायबिटीज व एचआईवी जांच कराएं, डिप्टी सीएम ने दिए निर्देश

लखनऊ। यूपी के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक का कहना है कि सभी टीबी मरीजों की डायबिटीज और एचआईवी जांच की जानी चाहिए। इस संबंध में निर्देश दे दिए गए हैं। उत्तर प्रदेश से टीबी को खत्म करने की दिशा में प्रदेश सरकार ने अहम कदम उठाया है। सभी टीबी मरीजों की एचआईवी और डायबिटीज की जांच कराई जाएगी। इससे टीबी मरीजों में इन बीमारियों के संक्रमण को शुरुआत में पकड़ने में मदद मिलेगी। बीमारी पर काबू पाने में भी सफलता मिलेगी। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने बुधवार को स्वास्थ्य विभाग व मेडिकल संस्थान के अधिकारियों को यह निर्देश दिए। डिप्टी सीएम ने कहा कि सभी सरकारी अस्पतालों में टीबी की जांच और इलाज मुफ्त हो रहा है। अब सभी टीबी मरीजों की डायबिटीज और एचआईवी जांच कराई जाए। उन्होंने कहा कि टीबी मरीजों में रोगों से लड़ने की शक्ति कम हो जाती है। ऐसे में दूसरी बीमारियां मरीजों को आसानी से अपना शिकार बना सकती हैं। टीबी मरीजों में एचआईवी संक्रमण और डायबिटीज का खतरा कई गुना ज्यादा रहता है। मौजूदा समय में 96 प्रतिशत टीबी रोगियों की डायबिटीज की जांच हो रही है। एचआईवी संक्रमित की भी 96 प्रतिशत जांच हो रही है। इसे अब 100 फीसदी करना है।

महत्वपूर्ण तथ्य:

-राज्य की टीबी जांच दर 2021 की स्थिति से 2023 में दो गुनी हो गयी है। वर्तमान टीबी जांच दर 1151 प्रति लाख जनसंख्या की हो रही है।

- प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अर्न्तगत 1.7 लाख पोषण किट वितरित की गई है। जो देश में सबसे अधिक है।

- निक्षय पोषण योजना के अन्तर्गत 500 रुपये प्रति माह की दर से अब तक टीबी रोगियों को 516 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि दी जा चुकी है।

बदलेगा 115 साल पुराना नियम- यूपी में अब आसान होगी रजिस्ट्री की भाषा, हटेंगे उर्दू-फारसी के कठिन शब्द

लखनऊ। स्टांप एवं पंजीकरण वर्ष 1908 में बने रजिस्ट्रेशन एक्ट के अधीन चलता है। अंग्रेजों के जमाने का ये कानून आज भी चल रहा है। उस दौर में हिंदी के साथ उर्दू-फारसी भाषा भी बोलचाल का हिस्सा थी। प्रदेश में सबसे ज्यादा राजस्व देने वाले विभागों में से एक स्टांप और पंजीकरण में 115 साल पुराना नियम खत्म होगा। रजिस्ट्री में उर्दू-फारसी की कठिन और जटिल भाषा की जगह हिन्दी की आसान भाषा लेगी। इसकी शुरुआत सब रजिस्ट्रार से होगी। इसके तहत सब रजिस्ट्रार के लिए उर्दू-फारसी की परीक्षा पास करने की अनिवार्यता को समाप्त किया जाएगा। संबंधित प्रस्ताव को जल्द कैबिनेट में पेश किया जाएगा। स्टांप एवं पंजीकरण वर्ष 1908 में बने रजिस्ट्रेशन एक्ट के अधीन चलता है। अंग्रेजों के जमाने का ये कानून आज भी चल रहा है। उस दौर में हिंदी के साथ उर्दू-फारसी भाषा भी बोलचाल का हिस्सा थी। अंग्रेजों ने खास रणनीति के तहत उर्दू-फारसी को सरकारी दस्तावेजों में ज्यादा बढ़ावा दिया। तब से रजिस्ट्री की भाषा में उर्दू-फारसी शब्दों का इस्तेमाल बढ़ता गया। वर्तमान में स्थिति ये है कि लोक सेवा आयोग से चुनकर आने के बाद सब रजिस्ट्रार को उर्दू इमला की परीक्षा पास करना अनिवार्य है। इसमें उर्दू के शब्दों को सही अनुवाद और सही व्याकरण के साथ लिखना व समझाना होता है।

यूपी लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस में बड़े फेरबदल की तैयारी

बदले जा सकते हैं कई जिलों के अध्यक्ष

संवाददाता

लखनऊ। सूत्रों की मानें तो पार्टी की रणनीति है कि कम समय को देखते हुए करीब 60 जिलाध्यक्षों को सक्रिय करके उन्हीं के कंधे पर लोकसभा चुनाव का भार रखा जाए। यही वजह है कि प्रदेश कार्यकारिणी में शामिल सभी उपाध्यक्षों, महासचिवों एवं सचिवों को निर्देशित किया गया है कि वे संबंधित जिले में जिलाध्यक्ष से पूरी तरह से समन्वय रखें। कांग्रेस ने प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक के बाद अब जिलों की ओवरहालिंग शुरू कर दी है। करीब 15 जिलों में नए लोगों को जिलाध्यक्ष बनाया जाएगा, जबकि 60 जिलों में पुराने जिलाध्क्षों के कंधे पर ही लोकसभा चुनाव का भार रहेगा। इसकी कवायद शुरू कर दी गई है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय ने कार्यभार ग्रहण करने के बाद क्षेत्रवार समीक्षा बैठक की। इन बैठकों ने संबंधित लोकसभा क्षेत्र की स्थिति का न सिर्फ जायजा लिया बल्कि संगठनात्मक ढांचें को दुरुस्त करने की रणनीति बनाई। यही वजह है कि उनकी 130 सदस्यीय प्रदेश कार्यकारिणी में ज्यादा युवा चेहरों को तवज्जो मिली। कार्यकारिणी में करीब 60 पुराने और 70 नए लोगों को मौका दिया गया है। मंगलवार को हुई समीक्षा बैठक में परिवर्तन यात्रा निकालने से लेकर अन्य कार्यक्रमों की रणनीति बनाई गई है। संगठनात्मक ढांचे पर विशेष रूप से फोकस किया गया है। सूत्रों की मानें तो पार्टी की रणनीति है कि कम समय

को देखते हुए करीब 60 जिलाध्यक्षों को सक्रिय करके उन्हीं के कंधे पर लोकसभा चुनाव का भार रखा जाए। यही वजह है कि प्रदेश कार्यकारिणी में शामिल सभी उपाध्यक्षों, महासचिवों एवं सचिवों को निर्देशित किया गया है कि वे संबंधित जिले में जिलाध्यक्ष से पूरी तरह से समन्वय रखें। बूथ कमेटियों का गठन करें। किसी भी तरह का आपसी टकराव नहीं होना चाहिए। यदि किसी जिलाध्यक्ष से किसी वरिष्ठ नेता का टकराव है तो प्रदेश कार्यकारिणी की जिम्मेदारी होगी कि उसे दूर कराए। प्रदेश कार्यकारिणी की ओर से करीब 15 जिलों को निष्क्रियता की श्रेणी में चुना गया है। इसमें बुंदेलखंड के दो, मध्य क्षेत्र के तीन, पूर्वांचल और पश्चिम के पांच- पांच जिले हैं। इन जिलों में नए जिलाध्यक्ष देने के साथ ही पुराने को समन्वयक की जिम्मेदारी देते हुए संगठन को सक्रिय करने की रणनीति बनाई जाएगी।

सभी को जोड़ने की रणनीति

प्रदेश अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय ने बताया कि सभी वरिष्ठ नेताओं, पूर्व पदाधिकारियों को जोड़कर संगठन को सक्रिय करने की रणनीति अपनाई गई है। सभी जिलाध्यक्षों को पूरी तरह से सक्रिय होने का निर्देश दिया गया है। इसके बाद भी जो लोग पार्टी का काम नहीं कर रहे हैं, उनके स्थान पर तेज तर्रार नेताओं को मौका दिया जाएगा।

मत्स्य पालन एवं जलीय कृषि में नवीनतम तकनीक पर कार्यशाला

अयोध्या। मत्स्यकि महाविद्यालय की ओर से सतत मत्स्य पालन एवं जलीय कृषि में उभरती नवीनतम तकनीक का उपयोग विषय पर कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यशाला का उद्घाटन कुलपति डा. बिजेंद्र सिंह ने किया। कुलपति ने कहा कि जलीय कृषि में उभरती नवीनतम तकनीक का प्रयोग जरूरी है। देश के जाने-माने मत्स्य वैज्ञानिक डा. सजिना ए.एम, डा. मार्टिन जेवियर, डा. बीके मेहरा ने ऑनलाइन जुड़कर लोगों को विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम का संयोजन अधिष्ठाता डा. ए.के गंगवार ने किया व संचालन डा. राधाकृष्णन ने किया। इस मौके पर डा. एस. के वर्मा, डा. दिनेश कुमार, डा. लक्ष्मी प्रसाद, डा.

स्वामी प्रसाद मौर्य बोले- सपा में वर्ग विशेष के लोग कर रहे हैं मेरा विरोध, नहीं करता विचारधारा से समझौता

संवाददाता

लखनऊ। उनका दावा है कि वह कभी भी विचारधारा से समझौता नहीं करते हैं। यही कारण है कि योगी-1 सरकार में कैबिनेट मंत्री रहते हुए भी न तो कभी अयोध्या के दीपोत्सव में गए और न ही प्रयागराज में हुई कैबिनेट में हिस्सा लिया। वह खुद को सनातन धर्म का पक्का अनुयायी भी मानते हैं। अपने बयानों के जरिये अक्सर विवाद में रहने वाले सपा महासचिव और बसपा व भाजपा की सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे स्वामी प्रसाद मौर्य का कहना है कि समाजवादी पार्टी में एक वर्ग विशेष के नेता ही उनका विरोध कर रहे हैं। उनका दावा है कि वह कभी भी विचारधारा से समझौता नहीं करते हैं। यही कारण है कि योगी-1 सरकार में कैबिनेट मंत्री रहते हुए भी न तो कभी अयोध्या के दीपोत्सव में गए और न ही प्रयागराज में हुई कैबिनेट में हिस्सा लिया। वह खुद को सनातन धर्म का पक्का अनुयायी भी मानते हैं। यहां प्रस्तुत है विधान परिषद सत्र के दौरान कुछ समय निकालकर अजीत बिसारिया से हुई लंबी बातचीत के मुख्य अंश क्या विवादों में बना रहना राजनीति सक्रियता के लिए जरूरी मानते हैं? मैं पाखंड, अंधविश्वास, छुआछूत, अन्याय और भेदभाव के खिलाफ हूं। सदियों से सताई जा रही जातियों की आवाज हूं। इन मुद्दों पर बोलना अगर कुछ लोगों को विवादित विषय लगता है तो मैं क्या कर सकता हूं। अपने जीवन रहते न तो इन मुद्दों पर बोलने से मैं रुकूंगा और न

थकूंगा।

भाजपा सरकार में कैबिनेट मंत्री रहते हुए आपने धार्मिक मुद्दों पर इतने तीखे बयान नहीं दिए?

स्वामी प्रसाद मौर्य कभी भी विचारधारा से समझौता नहीं करता। पांच साल भाजपा की योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री रहा, पर एक बार भी अयोध्या के दीपोत्सव में शामिल नहीं हुआ। जब कुंभ के समय प्रयागराज में कैबिनेट की बैठक हुई, तो उसमें भी नहीं गया। धर्म के नाम पर लोगों को ठगने और बरगलाने के खिलाफ लड़ाई लगातार जारी रखूंगा।

सपा के वरिष्ठ नेता ही आप पर अपने बयानों से भाजपा को फायदा पहुंचाने का आरोप लगा रहे हैं?

सपा में वर्ग विशेष के लोग ही मेरा विरोध कर रहे हैं। हर जगह मेरा उस वर्ग विशेष की विचारधारा से ही संघर्ष है। टीवी चैनलों पर भी सपा के वही प्रवक्ता मेरा विरोध कर रहे हैं, जो उस वर्ग विशेष की विचारधारा के पोषक हैं।

आप विवादित विषयों पर इतना जोर क्यों दे रहे हैं?

हमारे संविधान में लिखा है कि लोगों को पाखंड से दूर रखना है और उनमें वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देना है। इसलिए आंडबरों के खिलाफ बोलता हूं। जरा सोचिए! जब भगवान राम कण-कण में सदियों से विद्यमान में है, तो अयोध्या मंदिर में अब उनकी प्राण प्रतिष्ठा का क्या औचित्य है।

क्या आपको अपनी सुरक्षा को लेकर कोई खतरा नहीं लगता?

हर फोरम पर सुरक्षा मांग चुका हूं। जल्दी ही विधान परिषद सभापति से भी इस संबंध में गुहार लगाऊंगा।

आपको यह आडंबर और पाखंड सिर्फ हिंदू धर्म में ही क्यों दिखता है?

किसी अन्य धर्म ने कभी हमें अपमानित नहीं किया। हिंदू धर्म में रहकर ही छूआछूत और भेदभाव झेला है, तो उसकी गलत मान्यताओं का ही तो विरोध करेंगे।

क्या आप खुद को सनातनी नहीं मानते हैं?

मैं पैदाइशी सनातनी हूं। लेकिन, सनातन धर्म का मतलब दलित व पिछड़ी जातियों के साथ भेदभाव नहीं है। हमें सनातन धर्म और हिंदू धर्म में भेद समझना होगा।

आपकी बेटी व भाजपा सांसद संघमित्रा की शादी को लेकर विवाद उठा है?

बदनाम करने की साजिश है। मामला कोर्ट में विचाराधीन है। इसलिए कुछ नहीं कहूंगा।

प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी प्रधानमंत्री मोदी उतारेंगे रामलला की पहली आरती

150 वैदिक आचार्य करेंगे अनुष्ठान

एजेंसी

लखनऊ। अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाला प्राण प्रतिष्ठा के अनुष्ठान 150 वैदिक आचार्यों की देखरेख में किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सबसे पहले रामलला की आरती उतारेंगे। श्रीराम जन्मभूमि परिसर में नवनिर्मित राममंदिर में रामलला की नई मूर्ति की पहली आरती प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही उतारेंगे। प्राण प्रतिष्ठा के अनुष्ठान में 150 वैदिक आचार्यों को लगाया जा रहा है। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि ने बताया कि काशी के शंकराचार्य विजयेंद्र सरस्वती के मार्गदर्शन में आचार्यों की टोली का चयन हुआ है। काशी के वैदिक विद्वान लक्ष्मीकांत दीक्षित प्रमुख आचार्य रहेंगे। उनके साथ डेढ़ सौ पंडितों

की टोली रहेगी, जो विभिन्न पारायण, पाठ, यज्ञ आदि करेगी। काशी के ही प्रसिद्ध वैदिक विद्वान गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ की निगरानी में सारे अनुष्ठान होंगे। 17 जनवरी को रामलला की अचल मूर्ति की भव्य शोभायात्रा निकालकर राम जन्मभूमि परिसर में स्थापित की जाएगी। उसके बाद 18 जनवरी से पूजन, अर्चन अनुष्ठान की प्रक्रिया शुरू होगी। गोविंद देवगिरी ने बताया कि पीएम मोदी राम जन्मभूमि परिसर में पहुंचने के बाद सबसे पहले जटायु मंदिर जाएंगे। जटायु उन कारसेवकों, बलिदानियों के प्रतीक हैं, जिन्होंने भगवान के कार्य के लिए जीवन को न्योछावर किया। उन सबके प्रतिनिधि के रूप में जटायु को पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। इसके बाद वे प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होंगे। फिर उद्घाटन भाषण को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम में मौजूद देशभर से आए साधु संतों से आशीर्वाद लेंगे। इसके बाद समारोह में देश विदेश से आए अतिथियों को रामलला के दर्शन कराए जाएंगे।

मायावती बोलीं, 81 करोड़ से अधिक गरीब सरकारी अन्न के मोहताज, ये आजादी का सपना नहीं था

संवाददाता

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने बुधवार को बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और देश की वर्तमान हालत पर बयान दिया है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर उन्होंने सोशल मीडिया साइट पर कहा कि लगभग 140 करोड़ की विशाल आबादी वाले भारत के गरीबों, मजदूरों, दलितों, आदिवासियों, अतिपिछड़ों सहित उपेक्षित बहुजनों के मसीहा व देश के मानवतावादी समतामूलक संविधान के निर्माता भारतरत्न परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव आंबेडकर को आज उनके परिनिर्वाण दिवस पर अपार श्रद्धा-सुमन अर्पित। उन्होंने आगे कहा कि किन्तु देश के 81 करोड़ से अधिक गरीब लोगों को पेट पालने के लिए सरकारी अन्न के मोहताज का जीवन बना देने जैसी दुर्दशा न यह आजादी का सपना था और न ही उनके लिए कल्याणकारी संविधान बनाते समय बाबा साहेब डा. भीमराव आंबेडकर ने सोचा था, यह स्थिति अति-दुःखद है। देश में रोटी-रोजी के अभाव एवं महंगाई की मार के कारण आमदनी अठन्नी भी नहीं पर खर्चा रुपया होने के कारण गरीब, मजदूर, छोटे व्यापारी, किसान, मध्यम वर्ग सहित सभी मेहनतकश समाज की हालत त्रस्त व चिन्तनीय है जबकि संविधान को सही से लागू करके उनकी हालत अब तक काफी संवर जानी चाहिए थी।

सम्पादकीय

मिजोरम को विकास चाहिए, जातीय राष्ट्रवाद के बजाय संरचनात्मक परिवर्तन के वादों पर भरोसा

मिजोरम के मतदाताओं ने एमएनएफ के जातीय राष्ट्रवाद के बजाय जेडपीएम के संरचनात्मक परिवर्तन के वादों पर भरोसा किया। लेकिन राज्य की बदहाल आर्थिक स्थिति के मद्देनजर देखने वाली बात होगी कि जेडपीएम अपनी घोषणाओं को जमीनी स्तर पर उतारने के लिए क्या कदम उठाएगी। मिजोरम के विधानसभा चुनाव में लालदुहोमा के नेतृत्व वाला गठबंधन जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) ने अपना शानदार राजनीतिक प्रदर्शन करते हुए मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) को सत्ता से बेदखल कर दिया है। इस पूर्वोत्तर राज्य में बदलाव की हवा इतनी तेज थी कि मुख्यमंत्री जोरामथंगा आइजोल ईस्ट-1 की सीट पर चुनाव हार गए। उन्हें जेडपीएम के ललथनसांगा ने दो हजार मतों से पराजित किया। जेडपीएम ने 40 सदस्यीय विधानसभा की 27 सीटों पर कब्जा जमाया, जबकि सत्तारूढ़ एमएनएफ को 10 सीटें ही मिलीं। भाजपा को दो और कांग्रेस को मात्र एक सीट मिली। गौरतलब है कि 1987 से राज्य की सत्ता पर बारी-बारी से दो ही पार्टियों-कांग्रेस और एमएनएफ का कब्जा रहा है। इन्हीं दोनों पार्टियों के बीच दस-दस साल के अंतराल पर सत्ता का बंटवारा हुआ है। इन दोनों पार्टियों के यथास्थितिवादी नजरिये से जनता ऊब गई थी। ऐसे में जब जेडपीएम ने यह नारा दिया कि बदलाव के लिए वोट करें, हमारी नई पार्टी को मौका दें, तो मतदाताओं को उम्मीद दिखी और उन्होंने जेडपीएम पर भरोसा करके मतदान किया। जोरम पीपुल्स मूवमेंट का गठन वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव से ठीक पहले हुआ था। शुरुआत में जोरम पीपुल्स मूवमेंट छह क्षेत्रीय दलों का गठबंधन था, जिसमें मिजोरम पीपुल्स कॉन्फ्रेंस, जोरम नेशनलिस्ट पार्टी, जोरम एक्सोडस मूवमेंट, जोरम डिसेंट्रलाइजेशन फ्रंट, जोरम रिफॉर्मेशन फ्रंट और मिजोरम पीपुल्स पार्टी शामिल थीं। लेकिन 2019 में सबसे बड़ी संस्थापक पार्टी मिजोरम पीपुल्स कॉन्फ्रेंस गठबंधन से अलग हो गई और अब यह पांच छोटे-छोटे दलों का गठबंधन है। वर्ष 2018 में जब जेडपीएम ने विधानसभा चुनाव में पहली बार अपने उम्मीदवार खड़े किए, तो पार्टी चुनाव आयोग में पंजीकृत भी नहीं थी, इसलिए पार्टी के सभी उम्मीदवार निर्दलीय के रूप में चुनाव में उतरे और पार्टी ने आठ सीटें जीतकर कांग्रेस से मुख्य विपक्षी पार्टी का दर्जा छीन लिया। जेडपीएम नेता लालदुहोमा पूर्व आईपीएस अधिकारी हैं, जो पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सुरक्षा व्यवस्था संभालते थे। उन्होंने वर्ष 1984 में मिजोरम से कांग्रेस के टिकट पर लोकसभा चुनाव जीता था। बाद में राज्य के स्थानीय कांग्रेसी नेताओं से मतभेद हो गया और उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। 1988 में दल-बदल विरोधी कानून के तहत अयोग्य घोषित होने वाले वह पहले लोकसभा सांसद बने। वर्ष 2018 में उन्होंने आइजोल पश्चिम-1 और सेरछिप से निर्दलीय के रूप चुनाव जीता। हालांकि जोरमथंगा को चुनाव में हराना आसान नहीं था, क्योंकि जोरमथंगा ने खुद को जो-कूकी (स्थानीय जनजाति) लोगों के नेता के रूप में पेश करने की कोशिश की। जो जनजाति पड़ोसी राज्य मणिपुर और म्यांमार के जो समुदाय के साथ संबंध साझा करती हैं। खुद को जो लोगों का हितैषी साबित करने के लिए जोरमथंगा ने म्यांमार के शरणार्थियों का बायोमैट्रिक डेटा एकत्र करने के केंद्र के निर्देश का पालन करने से भी मना कर दिया। यही नहीं, उन्होंने मणिपुर में संघर्षरत जो-कुकी लोगों के हितों की वकालत की थी। अपने चुनाव प्रचार में एमएनएफ जातीय राष्ट्रवाद पर निर्भर रहा, जबकि जेडपीएम ने संरचनात्मक परिवर्तन के साथ भ्रष्टाचार मुक्त शासन, राज्य की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने और युवाओं के लिए रोजगार का वादा किया। चुनाव के नतीजे बताते हैं कि ज्यादातर मतदाताओं ने जातीय राष्ट्रवाद के बजाय संरचनात्मक परिवर्तन के साथ भ्रष्टाचार मुक्त शासन के जेडपीएम के वादे पर भरोसा किया। जेडपीएम के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार लालदुहोमा ने चुनाव के दौरान मीडिया को बताया था कि उनकी पार्टी प्रशासनिक, आर्थिक और भूमि सुधारों के जरिये संरचनात्मक परिवर्तन लाएगी। उन्होंने राज्य के कृषि उत्पाद अदरक, हल्दी, मिर्च एवं अन्य के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित करने का वादा किया। चुनाव के दौरान पार्टी के नेताओं ने भ्रष्टाचार को प्रमुख मुद्दा बनाया और कहा कि इसी वजह से राज्य को आर्थिक संकटों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि इसी कारण पिछले पांच वर्षों में सरकारी अधिकारियों को वेतन एवं सेवानिवृत्ति लाभ मिलने में देरी हुई है। पार्टी ने जब अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की, तो उनमें से आधे से अधिक 50 वर्ष से कम उम्र के थे। इससे भी लोगों को पार्टी के बदलाव के वादे पर भरोसा हुआ। जेडपीएम ने सफलतापूर्वक राज्य के मतदाताओं के बीच खुद को बदलाव के वाहक के रूप में पेश किया, क्योंकि मिजोरम के सिविल सोसाइटी के अनेक लोकप्रिय लोगों ने पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ा। इससे पार्टी को आम लोगों में पैठ बढ़ाने में मदद मिली। अब चूंकि जेडपीएम अपने बूते राज्य की सत्ता में आ गई है, तो अपने आंदोलन के आदर्शों पर टिके रहने में उसे आसानी होगी, लेकिन राज्य में दो सीटें जीतने वाली भाजपा चाहेगी कि जेडपीएम उसके गठबंधन एनडीए में शामिल हो जाए। उम्मीद करनी चाहिए कि जेडपीएम भ्रष्टाचार मुक्त एवं स्वतंत्र शासन के अपने वादे और केंद्र सरकार के साथ बेहतर रिश्ते के बीच संतुलन बनाकर राज्य की जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरेगी। छोटे राज्यों, खासकर पूर्वोत्तर के राज्यों को अपने विकास के लिए केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी के साथ बेहतर रिश्ते बनाकर रखने की मजबूरी होती है, क्योंकि केंद्र से बेहतर रिश्ते नहीं होने पर वित्तीय संसाधन और अनुदान मिलने में मुश्किल हो सकती है। मिजोरम उन राज्यों में है, जिन्हें केंद्र से सबसे अधिक राजस्व मिलता है। जेडपीएम ने चुनाव अभियान के दौरान जनता से जो वादे किए हैं, उन्हें राज्य की बदहाल वित्तीय स्थिति के चलते पूरा करना आसान नहीं होगा, इसलिए नई सरकार के सामने चुनौतियां कम नहीं होंगी। मिजोरम में बेरोजगारी की दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। युवाओं में नशे की लत एक बड़ी समस्या है। इसके अलावा राज्य के सीमावर्ती इलाकों में जातीय मुद्दे लगातार चुनौती पैदा कर रहे हैं। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि जेडपीएन किस तरह से संरचनात्मक बदलाव लाने के अपने वादे को पूरा करती है।

विरोधियों के बेतुके बयानों के कारण भी भाजपा को मिलते हैं वोट

भाजपा की नीतियां अपनी जगह हैं, लेकिन विरोधियों के बेतुके बयानों से आहत होकर भी जनता कांग्रेस के खिलाफ मत देने को विवश हो जाती है।

पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों के परिणामों के निहितार्थ क्या हैं? यह ठीक है कि राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में जनता ने भाजपा की नीतियों-कार्यक्रमों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व में हो रहे सकारात्मक परिवर्तनों से प्रभावित होकर बहुमत दिया है। परंतु लगता है कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के बेतुके बयानों से आहत होकर भी जनता कांग्रेस के खिलाफ मत देने को विवश हो जाती है। भले ही बीते एक वर्ष से इस दल की अध्यक्षता मल्लिकार्जुन खरगे कर रहे है, परंतु पार्टी की परोक्ष कमान गांधी परिवार के हाथों में ही है। वर्षों से कांग्रेस में विचारधारा का टोटा है, जिसकी पूर्ति घिसे-पिटे वामपंथी जुमलों से करने का प्रयास हो रहा है। इसका सबसे ताजा उदाहरण कांग्रेस द्वारा तात्कालिक राजनीतिक लाभ के लिए राजनीति में जाति के भूत को पुनः जीवित करने का प्रयास है। कांग्रेसी नेताओं द्वारा इन चुनावों में 'जितनी आबादी, उतना हक' का नारा बार-बार दोहराया गया। अभी तक सपा, बसपा, राजद जैसे क्षेत्रीय दल जाति आधारित राजनीति करते थे। यह पहली बार है, जब किसी राष्ट्रीय दल के रूप में कांग्रेस ने इस जिन्न को बंद बोतल से बाहर निकालने की कोशिश की है। जाति निश्चय ही भारतीय समाज की एक सच्चाई है। परंतु अब आधुनिक शिक्षा, सर्वांगीण अवसर, तकनीकी दौर और बाजारवाद के युग में जाति की भूमिका गौण हो गई है। आज के आकांक्षावान युवा जातीय पहचान से ऊपर उठकर देखने की क्षमता रखते हैं। इसलिए राहुल-प्रियंका के 'सत्ता में आने पर जातिगत-जनगणना कराकर आबादी के हिसाब से हक दिलाने' के वादे का उलटा प्रभाव हुआ। इसी वजह से अशोक गहलोत और भूपेश बघेल की योजनाओं के असंख्य लाभार्थी भी कांग्रेस से छिटक गए। इससे पहले गत वर्ष गुजरात विधानसभा चुनाव और अपनी 'भारत जोड़ो' यात्रा के समय राहुल ने आदिवासियों को देश का 'असली मालिक' बताया था। यदि राहुल के लिए आदिवासी देश के 'असली मालिक' हैं, तो शेष लोग कौन हैं? छत्तीसगढ़-मध्य प्रदेश जैसे आदिवासीबहुल राज्य में भाजपा की निर्णायक जीत ने राहुल की 'आदिवासी बनाम शेष हिंदू समाज' की राजनीति को भी ध्वस्त किया। वास्तव में, यह चिंतन भारतीय संस्कृति विरोधी वामपंथ से प्रेरित होने के साथ ब्रितानी औपनिवेशिक उपक्रम ('बांटो-राज करो' सहित) से भी जनित है, जिसका अंतिम उद्देश्य भारत को एक राष्ट्र के रूप में नकारना और उसे 1947 की भांति कई टुकड़ों में खंडित करना है। इसका प्रमाण-राहुल के विदेशी विश्वविद्यालयों में दिए उन वक्तव्यों में मिल जाता है, जिसमें उन्होंने भारतीय लोकतंत्र और देश की मौलिक बहुलतावादी संस्कृति को अपमानित करते हुए कहा था–%भारत एक राष्ट्र नहीं, अपितु राज्यों का एक संघ है।% सच तो यह है कि भारत सदियों से सांस्कृतिक तौर पर एक राष्ट्र है। यह विडंबना है कि राहुल गांधी मार्क्स-मैकॉले एजेंडे को तब आगे बढ़ा रहे है, जब गांधी जी ने अपनी हिंद स्वराज (1909) पुस्तक में लिखा था- %...अंग्रेजों ने सिखाया है कि आप एक राष्ट्र नहीं थे और एक-राष्ट्र बनने में आपको सैकड़ों वर्ष लगेंगे। यह बात बिल्कुल निराधार है। जब अंग्रेज हिंदुस्तान में नहीं थे, तब भी हम एक राष्ट्र थे, हमारे विचार एक थे, हमारा रहन-सहन एक था। ...भेद तो अंग्रेजों ने बाद में हमारे बीच पैदा किए... दो अंग्रेज जितने एक नहीं, उतने हम भारतीय एक थे और एक हैं...। बात केवल यहीं तक सीमित नहीं है। स्वतंत्र भारत के सार्वजनिक विमर्श को भी राहुल गांधी ने सर्वाधिक क्षति पहुंचाई है। धुर वैचारिक-राजनीतिक विरोधी होने के बाद भी पंडित नेहरू और अटल बिहारी वाजपेयी ने सीमा नहीं लांघी। इंदिरा गांधी ने, बतौर प्रधानमंत्री, सावरकर और गोलवलकर को भी सराहा। परंतु राहुल अपवाद हैं। अपनी ही सरकार द्वारा पारित अध्यादेश की प्रति को फाड़ना, उद्यमियों को तिरस्कृत करना, एक उपनाम के सभी लोगों को चोर बताना और या 'पनौती', 'डंडे मारने' जैसे शब्दों का उपयोग करना-इसका प्रमाण है। सच तो यह है कि मोदी-शाह की जोड़ी जनता को अपने पक्ष में मत देने के लिए प्रोत्साहित तो करती है, परंतु राहुल-प्रियंका के वक्तव्य कांग्रेस सरकार के लाभार्थियों को भाजपा के पक्ष में मतदान करने के लिए विवश कर देते हैं।

I.N.D.I.A गठबंधन में अखिलेश और ममता ने लगाई यह शर्त!

गठबंधन में शामिल एक महत्वपूर्ण दल से जुड़े वरिष्ठ नेता कहते हैं कि बैठक में नेताओं के शरीक न होने के पीछे वजह है कि कुछ ऐसी शर्तें रखी गई हैं, जिसकी गठबंधन के फोरम पर आम सहमति के साथ स्वीकार्यता होना जरूरी है।

आखिरकार वही हुआ जिसकी चर्चा विधानसभा चुनाव के परिणामों से पहले I.N.D.I.A गठबंधन के लिए की जा रही थी। विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के लचर प्रदर्शन के बाद समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव और तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी ने ऐसी शर्तें लगा दी, जिससे कांग्रेस पार्टी को अब बैक फुट पर आना पड़ सकता है। हालांकि दिल्ली में होने वाली गठबंधन के नेताओं की अनौपचारिक बैठक में अखिलेश, ममता और नीतीश कुमार जैसे नेताओं के शामिल न होने से फिलहाल बैठक को टाल दिया गया है। गठबंधन में शामिल एक महत्वपूर्ण सहयोगी दल के नेता का कहना है, जिस राज्य में जिस दल की सबसे बड़ी ताकत होगी, वही इस राज्य में गठबंधन को लीड करेगा। इस पर आधिकारिक रूप से आम सहमति होनी है। विधानसभा के चुनावों के बाद इंडिया गठबंधन की महत्वपूर्ण बैठक होनी पहले से तय मानी जा रही थी। कयास यह भी लगाए जा रहे थे कि जिस तरीके के परिणाम कांग्रेस के लिए आए हैं, उसे लेकर अब बड़ी चुनौतियां भी आने वाली हैं। सियासी जानकारों का कहना है कि ठीक उसी अनुमान के आधार पर गठबंधन की बैठक से पहले ही अन्य दलों के नेताओं के अंदरूनी नाराजगी और आक्रामकता खुलकर सामने आने लगी है। बुधवार को दिल्ली में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ होने वाली गठबंधन के नेताओं की बैठक में अखिलेश यादव, ममता बनर्जी और नीतीश कुमार जैसे कद्दावर नेता शामिल नहीं हो रहे थे। गठबंधन में शामिल एक महत्वपूर्ण दल से जुड़े वरिष्ठ नेता कहते हैं कि बैठक में नेताओं के शरीक न होने के पीछे वजह है कि कुछ ऐसी शर्तें रखी गई हैं, जिसकी गठबंधन के फोरम पर आम सहमति के साथ स्वीकार्यता होना जरूरी है। गठबंधन में शामिल एक अहम पार्टी से जुड़े वरिष्ठ नेता का कहना है कि अखिलेश यादव और ममता बनर्जी समेत एमके स्टालिन की शर्तों में सबसे ज्यादा हिस्सेदारी गठबंधन में उनके राज्य में उनको मिलनी चाहिए। जबकि विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस इन राज्यों में अधिक सीटों की मांग कर रही थी। वह कहते हैं अब जब विधानसभा चुनाव के परिणाम सामने हैं, तो यह तय होना भी इसी वक्त जरूरी है कि जिस राज्य में जिसकी सीटें ज्यादा हैं, उसे ही गठबंधन का नेतृत्व करने दिया जाए। इस तरीके की शर्त के मुताबिक समाजवादी पार्टी जहां उत्तर प्रदेश में अपनी दावेदारी कर रही है, वहीं पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की दावेदारी सबसे ऊपर है। तमिलनाडु में डीएमके ऊपर है। इंडिया गठबंधन में शामिल एक महत्वपूर्ण राजनीतिक दल के वरिष्ठ नेता कहते हैं कि इस तरह की व्यवस्था पर गठबंधन की शुरुआती बैठकों में पहले ही चर्चा हो चुकी है। लेकिन अब तक उस पर आपसी सहमति के साथ आधिकारिक मुहर नहीं लगी है। सियासी जानकार भी मानते हैं कि चुनाव परिणाम में तीन राज्यों को हारने के बाद कांग्रेस की अब गठबंधन में सबसे ऊपर बने रहने की मंशा को क्षेत्रीय दल दबाने की तैयारी में लगे हैं। राजनीतिक विश्लेषक जटाशंकर सिंह कहते हैं कि यह अब दबाव काम भी कर रहा है। क्योंकि उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड समेत दक्षिण के राज्यों में गठबंधन के दलों की यह मांग शुरुआत से बनी हुई थी। सियासी जानकारों का मानना है कि गठबंधन के सियासी दलों में सबसे ज्यादा लड़ाई पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश को लेकर ही फंसी हुई है। वरिष्ठ पत्रकार बृजेंद्र शुक्ला कहते हैं कि यूपी में समाजवादी पार्टी बड़ी विपक्षी पार्टी है और वह अपने मुताबिक की कांग्रेस को सीटें देना चाहती है। जबकि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस भी कांग्रेस को ज्यादा सीटों को देने के पक्ष में नहीं है। महाराष्ट्र में पहले से महाअघाड़ी गठबंधन में कांग्रेस शामिल रही है। इसलिए सीट बंटवारे को लेकर उतना ज्यादा मंथन नहीं करना पड़ेगा। लेकिन दिल्ली और पंजाब में आम आदमी पार्टी भी इसी तर्ज पर अपनी दावेदारी ठोंक रही है। हालांकि बृजेंद्र शुक्ला का मानना है कि विपक्षी दलों का गठबंधन के साथ चुनाव लड़ना मजबूरी भी बनता जा रहा है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र चौधरी कहते हैं कि गठबंधन में शामिल सभी राजनीतिक दल पहले की बैठकों के एजेंडे के मुताबिक ही आगे की रणनीति बनाएंगे। उसके आधार पर ही अगली बड़ी बैठकों में शिरकत करने की तैयारियां की जाएगी। उनका कहना है कि फिलहाल समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश में मजबूती से लोकसभा चुनाव की तैयारी कर रही है। गठबंधन की नीतियों के तहत जो व्यवस्था चुनाव में टिकट बंटवारे की लागू होगी उसको ही आगे बढ़ाया जाएगा।

राजस्थान में नेताओं की आपसी कलह विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को ले डूबी

चुनाव से पहले गहलोत बार-बार कहते थे कि प्रदेश की जनता में सरकार के खिलाफ नकारात्मक माहौल नहीं है। जनता प्रदेश सरकार के कामों से खुश है। विधायकों को लेकर जनता में नाराजगी है। इसलिए हम बड़ी संख्या में नए लोगों को मैदान में उतरेंगे। राजस्थान विधानसभा चुनाव में लोगों को जैसी अपेक्षा थी उसी के अनुरूप चुनाव परिणाम देखने को मिले हैं। पिछले पांच विधानसभा चुनाव से प्रदेश में हर बार राज बदलने की परंपरा छठी बार भी कायम रही है। अशोक गहलोत के लाख प्रयासों के उपरांत भी कांग्रेस पार्टी प्रदेश में हर बार सत्ता बदलने का रिवाज नहीं बदल पाई और सत्ता गंवा दी। राजस्थान के मतदाताओं ने भाजपा की भारी बहुमत से ताजपोशी की है ताकि अगले पांच साल तक वह बिना किसी बाधा के राज कर सके। प्रदेश में भाजपा 115 सीटों के पर्याप्त बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। वहीं कांग्रेस का आंकड़ा 108 से घटकर 69 सीटों पर ही सिमट गया है। प्रदेश के मतदाताओं ने तीसरे मोर्चे के नाम पर नेतागिरी कर रहे बड़बोले नेताओं को भी चुनाव में उनकी जगह दिखा दी है। बहुजन समाज पार्टी मात्र दो सीटों पर सिमट गई। वहीं सत्ता की चाबी अपने हाथ में होने का दावा करने वाले नागौर के सांसद व राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष हनुमान बेनीवाल अपनी खुद की खींवसर विधानसभा सीट पर मात्र 2059 मतों के अंतर से जीत सके हैं। उनकी पार्टी के सभी प्रत्याशी पराजित हो गए।

चुनाव से कुछ महीना पहले ही बांगड़ के आदिवासी क्षेत्र में बनाई गई भारतीय आदिवासी पार्टी के तीन विधायक जीतने में सफल रहे हैं। हालांकि भारतीय आदिवासी पार्टी आदिवासी क्षेत्र में पहले भारतीय ट्राईबल पार्टी के नाम से पिछले विधानसभा चुनाव में उतरी थी और उसके दो विधायक जीते थे। उन्हीं दोनों विधायकों ने भारतीय आदिवासी पार्टी के नाम से नई पार्टी का गठन किया था। आठ निर्दलीय प्रत्याशी जीते हैं। जिनमें से एक कांग्रेस का व सात भाजपा के बागी थे। विधानसभा चुनाव से पहले अशोक गहलोत ने चौथी बार मुख्यमंत्री बनने के लिए पूरा जोर लगा दिया था। मगर कांग्रेस में चल रही आपसी गुटबाजी के चलते मतदाताओं ने कांग्रेस पार्टी को सिरे से ठुकरा दिया। विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ही पार्टी के मुख्य चेहरे बने हुए थे। उन्हीं के चेहरे पर कांग्रेस ने चुनाव लड़ा था। पार्टी की सभी प्रचार सामग्री पोस्टर, बैनर और होर्डिंगों में अशोक गहलोत ही छाए हुए थे। अशोक गहलोत द्वारा हायर की गई प्रचार कंपनी डिजाईन बाक्स व उसके बड़बोले निदेशक नरेश अरोड़ा भी चुनाव जितवाने में नाकाम रहे। सचिन पायलट पूरे चुनाव में ही साइड लाइन रहे। टिकट वितरण के दौरान सचिन पायलट ने जिस तरह से गहलोत के सामने हथियार डाले दिये थे। उस पर बड़े-बड़े राजनीतिक विश्लेषकों को भी आश्चर्य हुआ था। चुनाव से पहले शुचिता की बड़ी-बड़ी बातें करने वाले पायलट ने जिस तरह से गहलोत समर्थक शांति धारीवाल और प्रमोद जैन भाया जैसे विवादित लोगों को टिकट देने पर अपनी सहमति जताई उससे सभी अचंभित रह गए। लोगों का कहना था कि पायलट ने अपने समर्थक कुछ लोगों के टिकट क्लीयर करवाने के चक्कर में गहलोत से अंदर खाने अघोषित समझौता कर लिया था। चुनाव में पायलट के कहने पर करीबन 40 लोगों को टिकट मिली जबकि गहलोत समर्थकों की संख्या 150 से भी ऊपर थी। चुनाव से पहले गहलोत बार-बार कहते थे कि प्रदेश की जनता में सरकार के खिलाफ नकारात्मक माहौल नहीं है। जनता प्रदेश सरकार के कामों से खुश है। विधायकों को लेकर जनता में नाराजगी है। इसलिए हम बड़ी संख्या में नए लोगों को मैदान में उतरेंगे। मगर चुनाव आते-आते सारी बातें कागजों में ही रह गई और धड़ाधड़ बूढ़े व मौजूदा विधायकों को मैदान में उतार दिया गया। जिसका नतीजा कांग्रेस को करारी हार के रूप में देखना पड़ा।

अशोक गहलोत ने सबसे बड़ी गलती प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सामने खुद को चेहरा बना कर कर दी। राजस्थान में भाजपा ने किसी को भी चेहरा बनाकर चुनाव नहीं लड़ा था। भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे व कमल के फूल के निशान पर चुनाव लड़ा था। वहीं अशोक गहलोत ने सामूहिक नेतृत्व के स्थान पर खुद को ही आगे कर पूरी चुनावी व्यूह रचना की थी जिसमें वह नाकाम रहे। कई विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस को अपने बागी प्रत्याशियों की नाराजगी के चलते भी हार का सामना करना पड़ा है। समय रहते कांग्रेस पार्टी आंतरिक बगावत पर नियंत्रण नहीं कर पाई। पार्टी के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा व तीनों सह प्रभारी का तो चुनाव के दौरान पता ही नहीं चला कि वो कहां रहे। राजस्थान में कांग्रेस को रसातल में पहुंचने में प्रभारी सुखजिंदर रंधावा भी बहुत जिम्मेदार है। रंधावा का पूरा समय गहलोत सरकार की जी हुजूरी करते व लोगों को पदाधिकारी नियुक्त करने में ही निकल गया और कांग्रेस पार्टी सत्ता से बाहर हो गई। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का कहना है कि रंधावा ने जिनको पदाधिकारी बनाया है उसमें खुलकर भ्रष्टाचार हुआ है। पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को भाजपा से सीट व मत अधिक मिले थे। मगर इस बार कांग्रेस की सीटें घटने के साथ भाजपा की तुलना में मत भी कम हुए हैं। इस बार कांग्रेस को 39.53 प्रतिशत वहीं भाजपा को 41.69 प्रतिशत मत मिले हैं। बहुजन समाज पार्टी को 1.82 प्रतिशत वहीं हनुमान बेनीवाल की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी को 2.39 प्रतिशत मत ही मिल पाए हैं। कांग्रेस पार्टी के प्रति जनता में इतनी अधिक नाराजगी थी कि सरकार के 17 मंत्री सहित विधानसभा अध्यक्ष और सरकारी सचेतक तक चुनाव हार गए। यही नहीं अशोक गहलोत व सचिन पायलट की जीत का अंतर भी काफी कम हुआ है। अशोक गहलोत ने चुनाव से पहले लोगों को सात गारंटी देकर वादा किया था कि फिर से सरकार बनने पर जनता को इन सात योजनाओं के तहत लाभ पहुंचाया जाएगा। मगर प्रदेश की जनता ने उनके वादों पर ध्यान ही नहीं दिया। मतदाताओं का कहना था कि पांच साल सत्ता में रहने के दौरान जो करना था कर दिया। अब सब चुनावी वायदे हैं। प्रदेश के किसानों का ना तो ऋण माफ हुआ ना ही बेरोजगारों को नौकरियां मिलीं। ऊपर से भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक होने से योग्य उम्मीदवारों का चयन होने से रह गया। अशोक गहलोत का घमंड, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के बड़बोले बयान व उनके रिश्तेदारों का प्रशासनिक अधिकारी पदों पर चयन होना, मंत्री सुभाष गर्ग का भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक करवाने में नाम आना, मंत्री धारीवाल का विधानसभा में महिलाओं के प्रति अशोभनीय वक्तव्य, खान मंत्री प्रमोद जैन भाया के खुलआम भ्रष्टाचार के कारनामे, राजेंद्र गुढ़ा का लाल डायरी प्रकरण, शांति धारीवाल, महेश जोशी, धर्मेंद्र राठौर द्वारा आलाकमान के निर्देशों की अवहेलना करने जैसे मुद्दे कांग्रेस की छवि खराब करने के लिए काफी थे। कांग्रेस पार्टी को अब अगले लोकसभा चुनाव की तैयारी शुरू करनी चाहिए। पार्टी को संगठन में अध्यक्ष सहित आमूल चूल परिवर्तन करना होगा तथा विधायक दल के नेता के पद पर भी गैर विवादित विधायक का चयन करना होगा जो सभी को साथ लेकर चल सके। तभी कांग्रेस जनता के बीच अपनी खोई पैठ फिर से स्थापित कर सकती है। वरना तो राजस्थान कांग्रेस की और अधिक दुर्गति होने से कोई नहीं रोक सकता है।

सरकार का तारगेट वर्ष 2025 तक देश से टीबी को जड़ से ख़त्म कर दिया जाये-डा0 सुनिल त्यागी

सीएमओ व ओषधि निरीक्षक हापुड़ के नेतृत्व में दवा विक्रेताओं के लिए की संवेदीकरण कार्यशाला आयोजित

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

हापुड़। साथ-साथ पूरे देश से टी0 बी0 (क्षय रोग) को जड़ से ख़त्म करने के लिए सरकार काफ़ी समय से प्रयासरत हैं उसके लिए बुधवार को हापुड़ ज़िला अस्पताल दस्तोई रोड पर डा0 सुनिल त्यागी सी एम ओ व ओषधि निरीक्षक उर्मिला अग्रवाल के नेतृत्व में दवा विक्रेताओं के लिए संवेदीकरण कार्यशाला आयोजित की गई जिसमे शेड्यूल एच 1 व टी0 बी0 की दवाईयो के रिकॉर्ड से सम्बंधित जानकारी दी गई जिसको सभी दवा विक्रेताओं ने बहुत अच्छे समझा डा0 सुनिल त्यागी ने बताया की सरकार का तारगेट है की वर्ष 2025 तक देश से टीबी को जड़ से ख़त्म कर दिया जाये उसके लिए सभी दवा व्यापारियों से अनुरोध है कि कोई भी मरीज़ अगर टीबी से सम्बंधित कोई भी दवाई मैडिकल स्टोर से लेने आये तो उसका नाम मो0 न0 आधार कार्ड न0 अपने पास लिख ले ओर हर महीने उस रिकॉर्ड को ओषधि निरीक्षक के माध्यम से हमें भेज दें ताकि हम उस मरीज़ तक पहुँच कर उसका पूरा इलाज फ़री कर सके हापुड़ कैमिष्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र गुर्जर ने कहा की हम सभी दवा विक्रेता भी चाहते हैं की देश से टीबी रोग जड़ से ख़त्म हो उसके लिए हम पूरा सहयोग करेंगे ज़िला क्षय रोग प्रचार प्रभारी सुशील चोधरी ने कहा की आप सभी इस बीमारी से मुक्ति दिलाने में सहयोग करेंगे मुझे आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास भी है उसके लिए आप सभी का बहुत बहुत धन्यवाद ओषधि निरीक्षक उर्मिला अग्रवाल हापुड़ कैमिष्ट एसोसिएशन अध्यक्ष राजेंद्र गुर्जर, राकेश गुप्ता, ब्रजभूषण अग्रवाल सतीश शर्मा, शिवम् चोहान,रासिद अली योगेश शर्मा, जावेद, मोहन सेठी अभी कुमार, विशेष कुमार, रजत अरोड़ा, खिलनदर सिंह सहित बड़ी संख्या में ज़िला हापुड़ के दवा व्यवसायी उपस्थित रहे।

सभी सरकारी तथा वाणिज्यिक बिल्डिंग पर टॉप रेनवाटर हार्वेस्टिंग प्लांट लगा होना चाहिए : डीएम

द अचीवर टाइम्स दीपक सिंह

शाहजहांपुर। जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने टॉप रेनवाटर हार्वेस्टिंग की स्थिति की समीक्षा बैठक की। डीएम ने उपस्थित संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए की सर्वप्रथम तहसील मुख्यालय तथा उसके बाद ब्लॉक मुख्यालय की सभी सरकारी तथा वाणिज्यिक बिल्डिंग पर टॉप रेनवाटर हार्वेस्टिंग प्लांट लगा होना सुनिश्चित करें। सहायक अभियंता लघु सिंचाई के द्वारा अवगत कराया गया कि विभाग द्वारा जिले में कुल 47 स्थल टॉप रेनवाटर हार्वेस्टिंग प्लांट लगाने हेतु चयनित किए गए हैं, 14 प्राइवेट बिल्डिंग में भी टॉप रेनवाटर हार्वेस्टिंग प्लांट लगाए जा चुके हैं। डीएम ने निर्देश दिए हैं कि वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्लांट लगा होना अनिवार्य है। उन्होंने कहा स्कूलों कॉलेज, तथा सभी सरकारी विभाग की बिल्डिंगों में रेनवाटर हार्वेस्टिंग प्लांट लगाने हेतु उनके विभाग अध्यक्षों को निर्देशित कर दिया जाए। जिलाधिकारी ने बैठक में उपस्थित सभी खंड विकास अधिकारियों को जल जीवन मिशन के तहत हो रहे रीस्टोरेशन वर्क पर कड़ी निगरानी रखने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने समस्त संबंधित अधिकारियों को गोवंश संरक्षण हेतु तत्परता से कार्य करने के लिए भी निर्देशित किया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी श्याम बहादुर सिंह, पीडी डीआरडीए अवधेश राम, समस्त खंड विकास अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित रहे।

मतदाता बनने को 42,354 ने किया आवेदन

बाराबंकी। आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर किए जा रहे मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान में 42,354 लोगों ने मतदाता बनने के लिए आवेदन किया है। इसके साथ फार्म 7 और 8 पर भी आवेदनों की भरमार रही। अभी यह अभियान दो दिन और चलेगा। नौ दिसंबर के बाद दावे और आपत्तियों का निस्तारण शुरू किया जाएगा, ताकि तय समय सीमा में अंतिम रूप से मतदाता सूची का प्रकाशन किया जा सके। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 27 अक्तूबर को मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान शुरू किया गया था। इस अभियान में छह विशेष तिथियों का आयोजन भी कराया गया। अभियान के तहत दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की अंतिम तिथि नौ दिसंबर निर्धारित है। अब तक नए मतदाता बनने के लिए फॉर्म छह 42,354 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। इसके साथ ही फार्म सात पर मृतक के नाम हटाने को 13,732, स्थान परिवर्तन के 4,172, डुप्लीकेट मतदाताओं के नाम हटाने के 2,149 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

एक नज़र

ऑल इंडिया हिंदुस्तान कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने सिखेड़ा चौक स्थित डॉ.भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण- मनाई पुण्य तिथि

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

हापुड़। उद्घोष के नारे के साथ बाबा साहेब का माल्यार्पण कर ऑल इंडिया हिंदुस्तान कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों ने मनाई बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की पुण्य तिथि, ऑल इंडिया हिंदुस्तान कांग्रेस पार्टी उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में पार्टी प्रदेश अध्यक्ष पंडित गोपाल शर्मा ने पार्टी पदाधिकारियों सहित सिखेड़ा चौक स्थित बाबा साहेब डॉ.भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुण्य तिथि मनाई, इस अवसर पर पार्टी प्रदेश अध्यक्ष पंडित गोपाल शर्मा ने कहा कि भारत रत्न, भारतीय संविधान के प्रमुख वास्तुकार, डॉक्टर भीमराव अंबेडकर स्वतंत्रता, समानता, विज्ञानवाद, मानवतावाद, सत्य व अहिंसा के प्रबल पक्षधर रहे हैं, वह आधुनिक भारत के निर्माण, सामाजिक असमानता को दूर करने तथा महिलाओं,व कमजोर वंचित वर्गों को सामाजिक न्याय दिलाने के लिए आजीवन समर्पित रहे, राष्ट्र निर्माण हेतु समाज के उन्नयन एवं राष्ट्रीय आर्थिक विकास, संविधान के निर्माण व शिक्षा में बाबा साहेब का योगदान अविस्मरणीय रहा है, ऐसे भारतीय बहुज्ञ, महान समाज सुधारक, बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी के परिनिर्वाण दिवस पर हम सभी उन्हें कोटि-कोटि नमन करते हैं। इस अवसर पर पंडित लोकेश शर्मा प्रदेश मीडिया प्रभारी, पंडित आशीष शर्मा प्रदेश कोषाध्यक्ष, पंडित अजय शर्मा जिला अध्यक्ष हापुड़, पंडित नरेन्द्र शर्मा जिला अध्यक्ष किसान प्रकोष्ठ, दिपांशु गर्ग जिला उपाध्यक्ष, महिपाल सागर जिला महासचिव, एन.के.त्रिपाठी, मास्टर पुष्पाल सिंह मास्टर इंद्र प्रसाद कालूराम गंगा शरण जोशी बबली सचिन अनिल उर्फ देवीलाल सूरज सिंह रामलाल पंकज धर्मेंद्र सिंह प्रधान सुंदर सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

पार्क में जल्द लगे बाबा साहब डॉ बी.आर.अंबेडकर जी की प्रतिमा- विकास दयाल सभासद

हापुड़ नगर पालिका सभागार में श्रद्धांजली अर्पित कर अध्यक्ष से की मांग

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

हापुड़। नगर पालिका परिषद में आयोजित डॉश भीमराव अम्बेडकर जी के 67 वे महापरिनिर्वाण दिवस पर पालिका के सभागार में सभासद विकास दयाल ने जनता ओर अपने सभासद साथियों की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए नगर पालिका परिषद प्रशासन ओर अध्यक्ष से पिछले कई वर्षो से लंबित बोर्ड से पास हो चुकी बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा की स्थापना पालिका के पार्क कराने की मांग की विकास दयाल सभासद ने कहा हम कहते है बाबा साहब ने हम सभी के लिए सबकुछ किया,अधिकार दिए लेकीन हमने उनके बताए मार्ग को कितना जिया है कर रहे हैं। दयाल के मांग रखते ही सभागार में उपस्थित लोगो ने मांग का समर्थन किया इस अवसर पर पालिका प्रशासन के साथ अध्यक्ष पुष्पा देवी, सभासद साथी विकास दयाल, रोहतास यादव, धर्मेंद्र कुमार, नितिन पाराशर, संजीव वर्मा, पोहित कुमार, राकेश , मुकेश कोरी, शशांक गुप्ता, रिजवान भाई, अफरोज आलम, फिरोज, अब्दुल मलिक, श्यामसुंदर लाला , जोरावर सिंह, कुंवर पाल , संजीव चौटाला, संजीव कुमार, आदित्य सूद, पवन भास्कर आदि साथी मौजूद रहें।

स्कूल में दो छात्राओं का झाड़ू लगाते वीडियो वायरल, बीईओ ने प्रधानाध्यापक से मांगा स्पष्टीकरण

कानपुर। भीतरगांव बीईओ पूनम वर्मा का कहना है कि मामले में अमौर विद्यालय के प्रधानाध्यापक से स्पष्टीकरण मांगा है। मामले में जांच कर कार्रवाई की जाएगी। कानपुर के भीतरगांव में बुधवार को दो छात्राओं का स्कूल में झाड़ू लगाते वीडियो वायरल हो गया। वीडियो वायरल होते ही अधिकारियों में हड़कंप मच गया। वायरल वीडियो भीतरगांव ब्लॉक के अमौर गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय का बताया जा रहा है। वीडियो में छात्राएं विद्यालय परिसर में झाड़ू लगाते हुए दिख रही हैं। हालांकि अमर उजाला उक्त वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। वायरल वीडियो भीतरगांव ब्लॉक के अमौर प्राथमिक विद्यालय का बताया जा रहा है। वायरल वीडियो में दो छात्राएं विद्यालय परिसर में झाड़ू लगाती हुई दिखाई दे रही हैं। वहीं, कुछ छात्राएं मेज को कमरे से बाहर निकलकर ले जाती हुई दिख रही हैं। वायरल वीडियो में दो और छात्राएं विद्यालय में बने कमरे के अंदर झाड़ू लगाती हुई दिखाई दे रही हैं। इस संबंध में भीतरगांव एबीएसए पूनम वर्मा का कहना है कि मामले में अमौर विद्यालय के प्रधानाध्यापक से स्पष्टीकरण मांगा है।

डॉ . भीमराव अम्बेडकर को दी श्रृद्धांजलि

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

हापुड़। हापुड़ में महान बौद्धिस्तव भारत रत्न, संविधान निर्माता, नारी के मुक्तिदाता, बहुजनों के महानायक, प्रथम कानून मंत्री, सिंबल आफ नॉलेज जैसी अनेकों प्रतिभाओं के धनी बाबा साहेब डॉ.भीम राव राम जी अम्बेडकर साहब के महापरिनिर्वाण दिवस को ग्राम मुरादपुर की सागर कालोनी में मनाया गया। समाजवादी पार्टी की अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय सचिव व जनकवि /बेखौफ शायर डा. नरेश सागर ने कहा कि आज कोई हर्ष का विषय नहीं हैं, आज का दिन हमारे लिए सबसे दुःख भरा दिन है आज से 67 साल पहले हमें सब कुछ सौपकर हमारा ये मसीहा हमें छोड़कर चला गया था। डा. सागर ने आगे कहा कि महापुरुषों को किसी एक जाति धर्म में बांटना केवल एक पागलपन है बाबा साहेब ने देश के हर एक नागरिक को समान अधिकार दिलाए थे। इसके बाद सभी ने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जी के चित्र के समक्ष फूल माला व मोमबत्तीयां जलाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। यहां उपस्थित पुनम सागर कविता ओमपाल सिंह, ओमींदर ,समीर सागर,सीमा रानी, विजेद्र,पृथ्वी, रेशम,पूनम देवी, व गौरव आदि उपस्थित रहे ।

तीन विभूतियों के नाम से बनेंगे स्वागत द्वार, मिली मंजूरी

कानपुर देहात। देश की तीन विभूतियों नाम से जिले में तीन स्थानों पर स्वागत द्वार बनाने की प्रक्रिया शुरू की गई है। 20.83 लाख रुपये से ये स्वागत द्वार बनाए जाने हैं। इसके लिए शासन से मंजूरी मिल गई है। भगवान परशुराम, महारानी अहिल्याबाई होल्कर व अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद के नाम पर स्वागत द्वार बनाने का प्रस्ताव शासन में मंजूरी के लिए भेजा गया था। इसके लिए मंजूरी मिलने के साथ धनराशि भी जारी की गई है। इसको लेकर पिंडार्थू में दिबैर मार्ग पर 7 लाख 5 हजार रुपये की लागत से भगवान परशुराम द्वार बनाया जाना प्रस्तावित है। मंगलपुर-डेरापुर मार्ग पर 6 लाख 7 हजार रुपये की लागत से महारानी अहिल्याबाई होल्कर द्वार और सिकंदरा-बिल्हौर मार्ग पर 7 लाख 71 हजार रुपये की लागत से अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद द्वार बनेगा।

करणी सेना का राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेडी की निर्मम हत्या से राजपूत समाज में आक्रोश

द अचीवर टाइम्स दीपक सिंह

शाहजहांपुर। करणी सेना द्वारा प्रदेश उपाध्यक्ष ठाकुर ओमवीर सिंह राठौर एवं जिला अध्यक्ष सूर्य प्रताप सिंह के नेतृत्व में प्रधानमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को सौंपा। एवं खिरनीबाग चौराहे पर अशोक गहलोत का पुतला जलाया। आपको बता दे की राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेडी की राजस्थान में निर्मम हत्या कर दी गई। करणी सेना चाहती है कि हत्यारे को फांसी की सजा हो व सीबीआई जांच कराई जाए। इससे पहले भी राष्ट्रीय अध्यक्ष को जान से मारने की धमकियां दी गई थी। तब अध्यक्ष जी ने लिखित में सुरक्षा की मांग की थी। तब सरकार ने मात्र एक दिन के लिए सुरक्षा मुहैया कराई थी। इसके चलते हत्यारों ने मौका पाकर उनकी हत्या कर दी। पदाधिकारी प्रदेश उपाध्यक्ष ओमवीर सिंह राठौर जिला अध्यक्ष, सूर्य प्रताप सिंह, एसपी सिंह एडवोकेट, आजाद सिंह परमार, अभय प्रताप सिंह, अतुल सिंह, विकास सिंह, सूरज सिंह, सुशील महोलिया, धर्मेंद्र सिंह, राना प्रताप, संतोष सिंह, प्रशांत, विजय भान, सचिन, अरविंद, जगवीर, कमलेन्द सिंह, शिवम् चंदेल, संजीव कुमार, वागेश सिंह, राजीव कुमार, संजय सिंह, परविंदर समस्त पदाधिकारी व राजपूत समाज के लोग मौजूद रहे।

महापौर अर्चना वर्मा के निर्देश पर नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ0 मनोज मिश्रा द्वारा टाउनहॉल स्थित रैन बसेरा का निरीक्षण किया गया

द अचीवर टाइम्स फसाद खान

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर टाउन हॉल स्थित रैन बसेरा का निरीक्षण के समय रैन बसेरे में तैनात चौकीदार अरूण कुमार को निर्देश दिये गये कि वे रैन बसेरे में व्याप्त कमियों को पत्र के माध्यम से उच्चाधिकारियों को अवगत कराया करें जिससे समय रहते रैन बसेरे की आधारभूत सुविधाओं को मुहैया कराया जा सके। निरीक्षण के दौरान रैन बसेरा में स्थित टॉयलेट को बन्द कराने हेतु सम्बन्धित सफ़ाई एवं खाद्य निरीक्षक को निर्देश दिये गये। रैन बसेरे में साफ़ सफ़ाई व्यवस्था दुरूस्त पायी गयी।सफ़ाई नायक रामबाबू को निर्देशित किया गया कि वे प्रतिदिन रैन बसेरे की साफ़-सफ़ाई व्यवस्था को दुरूस्त रखें। उच्चाधिकारियों द्वारा आकस्मिक निरीक्षण किये जाने पर यदि किसी प्रकार की कोई कमी पायी जाती है तो सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारी के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी। रैन बसेरा के बाहर कर्मचारियों का विवरण सम्बन्धित द्वारा सही न कराये जाने पर नगर स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा कड़े निर्देश दिये गये कि वे एक दिवस के अन्दर कर्मचारियों का सही विवरण दीवार पर अंकित करा दें। चादर व गद्दे ओढ़ने व बिछाने हेतु उपयुक्त न पाये जाने पर सफ़ाई एवं खाद्य निरीक्षक को निर्देश दिये गये कि वे आज सायंकाल तक नए गद्दे व चादर की व्यवस्था करा दें जिससे बेघर, बेसहारा निराश्रितों को आश्रय प्राप्त हो सके। नगर स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा चौकीदार अरूण कुमार को निर्देश दिये गये कि वे अपनी ड्यूटी को पूर्ण कर्तव्यनिष्ठा एवं समयबद्धता के साथ करें यदि इसमें किसी प्रकार की शिथिलता पायी जाती है तो आपके विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी।

ओला चालक की चौथी मंजिल से गिरकर मौत

कानपुर। कानपुर के पनकी इलाके में ओला चालक की फ्लैट की चौथी मंजिल से गिरकर मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि मृतक की पत्नी ने प्रेमी संग मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस पत्नी और प्रेमी से पूछताछ कर रही है। पुलिस और फोरेंसिक ने घटना के साक्ष्य जुटाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की सूचना प्रेमी ने मृतक की बड़ी बहन के घर जाकर दी। इससे उन्हें शंका हुई। इसके बाद उन्होंने पूरे परिवार को घटना के बारे में जानकारी दी, तो परिजन मौके पर पहुंच गए। उन लोगों ने मिलकर चौथी मंजिल से फेंकने का आरोप लगाया है। मूलरूप से जिला उन्नाव के थाना बैसवारा के ककरारी रतनपुर गांव निवासी विजय द्विवेदी (34) ओला कार चलाते थे। साकेतनगर निवासी बड़े भाई अशोक द्विवेदी ने बताया कि विजय सबसे छोटा था। अजय दूसरे नंबर के हैं। अशोक और बहनोई अनमोल तिवारी उर्फ रिंकू ने मारने का आरोप लगाया है।

हापुड़ के जिला उपभोक्ता आयोग में बाबा साहब का परिनिर्वाण दिवस मनाया

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

हापुड़। जिला उपभोक्ता आयोग में बाबा साहब डॉ भीमराव आंबेडकर का परिनिर्वाण दिवस मनाया गया। इस दौरान जिला आयोग के अध्यक्ष आनंद बिहारी श्रीवास्तव ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।कार्यक्रम का संचालन सामान्य सदस्य राजीव कुमार सिंह के द्वारा किया गया।इस दौरान महिला सदस्य संतोष रावत तथा समस्त कर्मचारीगण व अधिवक्तागण ने बाबा साहब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कहा कि बाबा साहब ने देश के संविधान को बनाया। सभी ने उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

हापुड़ पहुंचे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर जी को किया नमन

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ मेल से आज सुबह 5ः00 बजे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी हापुर पहुंचे कुछ देर सर्किट हाउस पर रुकने के पश्चात जिला अध्यक्ष नरेश तोमर व अन्य कार्यकर्ताओं के साथ बाबा साहब के प्रतिमा पर पहुंचकर उनके परनिवाण दिवस पर उनको अर्पण की पुष्पांजलि व नमन किया तथा वहां उपस्थित कार्यकर्ताओं को यह संदेश दिया कि संविधान के निर्माता बाबा साहब का योगदान कभी नहीं बुलाया जा सकता उन्होंने प्रत्येक वर्ग को प्रत्येक समाज को नई दिशा और दशा देने का कार्य किया और उन्हीं के बताए गए मार्गो का अवलोकन करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व संपूर्ण भाजपा उन्ही के मार्गो का अनुसरण कर चल रही है केंद्र और प्रदेश सरकार का सदैव यही सतत प्रयास रहता है कि जन कल्याणकारी नीतियां प्रत्येक वर्ग के व्यक्ति को प्रत्येक समाज के व्यक्ति को मिलनी चाहिए इसी के लिए भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता सदैव जनता की सेवा के लिए मैदान में रहता है इसके उपरांत व जिले के महामंत्री मोहन सिंह किया जलपान पर पहुंचे तथा समस्त कार्यकर्ताओं के साथ वहा जलपान किया इस अवसर पर इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा नगर विधायक विजयपाल आडती क्षेत्रीय महामंत्री विकास अग्रवाल क्षेत्रीय मंत्री कविता मादरे जिला महामंत्री श्यामेंद्र त्यागी पुनीत गोयल डॉक्टर पायल गुप्ता डॉक्टर नीलम सिंह अलका निम योगेंद्र पंडित निशांत सिसोदिया संजय त्यागी चौधरी योगेंद्र सिंह विनीत दीवान शोध सिंह जतिन साहनी शैलेंद्र राणावत दीपक भाटी अमित शर्मा जिनेंद्र चौधरी पंकज गर्ग राजू पारिक नीतीश महेश्वरी प्रमोद त्यागी गौरव रुड़कीवाल मनजीत सिंह जय भगवान शर्मा व जिला मीडिया प्रभारी सुयश वशिष्ठ समेत अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पुलिस ने 01 करोड़ 93 लाख की कीमत की चरस के साथ 01 नेपाली अभियुक्त किया गिरफ्तार

द अचीवर टाइम्स दीपक सिंह

खुटार। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में जनपद में चलाए जा रहे अपराधियों के विरुद्ध अभियान के क्रम में बीती रात खुटार पुलिस टीम व एसओजी की संयुक्त टीम को बड़ी सफलता मिली खुटार मैलानी हाईवे पर क्षेत्र के गांव बाबा चौराहा से एक नेपाली युवक को गिरफ्तार किया गया।उसके कब्जे से 9 किलो 637 ग्राम अवैध चरस बरामद हुई पूछताछ में उसने अपना नाम लाल बहादुर धर्ती पुत्र गंज वीर धर्ती निवासी निसी थाना निसी जनपद बांगलुंग नेपाल राष्ट्र बताया। गिरफ्तार गए गए नेपाली युवक के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर बुधवार को उसे न्यायालय में पेश किया गया। बताया जाता है कि बरामद चरस की अंतरराष्ट्रीय बाजार की कीमत लगभग 1 करोड़ 93 लाख रुपया बताई जा रही है।इस संबंध में अपर पुलिस अधीक्षक नगर सुधीर जायसवाल ने बताया है।कि बीती रात खुटार पुलिस टीम एवं एसओजी व सर्विलांस की संयुक्त टीम के द्वारा एक नेपाली युवक को गिरफ्तार किया गया जिसके पास से 9 किलो 637 ग्राम फाइन क्वालिटी चरस बरामद हुई। पकड़े गए युवक के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर उसे जेल भेज दिया गया। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में निरीक्षक रीतेंद्र प्रताप सिंह एसओजी ,थाना अध्यक्ष खुटार ओमप्रकाश, उप निरीक्षक नागेंद्र तिवारी, उप निरीक्षक राजा राम एसओजी, एसओजी टीम कांस्टेबल फिरोज हसन, विशाल कुमार, विनोद कुमार, हेड कांस्टेबल उदयवीर सिंह ,एसओजी टीम खालिद हुसैन, तौसीम हैदर, विपिन कुमार, सुशील कुमार, राम सजीवन, कमल ,दिलीप कुमार, एवं सर्विलांस टीम से प्रभात चौधरी ,सचिन कुमार आदि पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

सीएम डैसबोर्ड पर योजनाओं के खराब रैंकिंग पर की जायेगी कठोर कार्यवाही-डीएम, हापुड़

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

हापुड़। जिलाधिकारी प्रेरणा शर्मा ने सीएम डैसबोर्ड पर माह अक्टूबर में सी, डी तथा ई रैंकिंग प्राप्त योजनाओं से सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि योजनाओं की रियल टाइम मॉनिटरिंग के लिए स्थापित सीएम डैसबोर्ड पर किसी भी विभागीय योजना की रैंकिंग खराब न आने पायें। जिलाधिकारी ने रैंकिंग सी, डी तथा ई रैंकिंग प्राप्त होने वाली योजनाओं के विभागीय अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए आगामी माह में श्रेणी ए में हर हालत में लाने के निर्देश दिए। माह अक्टूबर में पशुपालन विभाग की तीन योजनाएं सी श्रेणी, बेसिक शिक्षा की एक योजना सी श्रेणी तथा एक डी श्रेणी में, विद्युत विभाग की एक योजना सी

श्रेणी, स्वास्थ्य विभाग की दो योजना सी श्रेणी, पंचायत विभाग की एक योजना सी श्रेणी तथा एक डी श्रेणी, ग्रामीण अभियंत्रण की एक सी श्रेणी तथा एक ई श्रेणी, ग्रामीण विकास की दो ई श्रेणी, पिछड़ा वर्ग कल्याण की एक योजना डी श्रेणी, दिव्यांगजन सशक्तिकरण की एक योजना डी श्रेणी तथा सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग की एक योजना ई श्रेणी प्राप्त हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि सी, डी तथा ई श्रेणी प्राप्त होना योजनाओं के शिथिल क्रियान्वयन को दर्शाता हैं। जिलाधिकारी ने बेसिक शिक्षा विभाग की पीएम पोषण स्कीम एवं स्कूल निरीक्षण योजना के सी श्रेणी में आने पर नाराजगी जताते हुए बेसिक शिक्षा अधिकारी से उत्तरदायी अधिकारी को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन तथा अनुश्रवण करके सीएम डैसबोर्ड पर अच्छी रैंकिंग लाई जा सकती है। पंचायती राज विभाग के स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण योजना के सी श्रेणी में आने पर डीपीआरओ ने बताया कि टारगेट अधिक होने से योजना सी श्रेणी में आ गई है उन्होंने बताया कि टारगेट रिवाइज के लिए मुख्यालय को पत्र प्रेषित किया जा चुका हैं। जिलाधिकारी ने आईजीआरएस जनसुनवाई आदि की शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण निस्तारण से फीडबैक अच्छा प्राप्त होता है तथा ऐसी शिकायतें जो बार-बार ऑनलाइन पोर्टल पर प्रेषित की जा रही हैं इसमें शिकायतकर्ता को बुला करके विशेष प्रयास से निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि यदि किसी शिकायत का गलत निस्तारण किया गया तो कठोर कार्रवाई की जाएगी, गलत तथा गुणवत्ताहीन निस्तारण गलत फीडबैक देता है। सभी अधिकारीगण योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लायें। जिससे सीएम डैसबोर्ड पर योजनाओं की रैंकिंग ए श्रेणी में प्राप्त हों। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी प्रेरणा सिंह, अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 संदीप कुमार, अपर जिलाधिकारी न्यायिक ज्योत्सना बंधु, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी तथा अन्य संबंधित अधिकारी गण उपस्थित रहे।

प्रभारी मंत्री विकसित भारत संकल्प यात्रा में हुई शामिल

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। जनपद प्रभारी मंत्री प्रतिभा शुक्ला ब्लॉक बछरावां के ग्राम पंचायत दुंदगढ़ में विकसित भारत संपन्न संकल्प यात्रा में शामिल हुई।

इस अवसर पर उन्होंने वहां पर उपस्थित गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की और नवजात शिशुओं का अन्नप्राशन करवाया। प्रभारी मंत्री ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के उद्देश्य के संबंध में वहां पर उपस्थित लोगों से विस्तार पूर्वक चर्चा की। उन्होंने बताया कि भारत सरकार और राज्य सरकार जनता के कल्याण के लिए कटिबंध है। सरकार द्वारा जो भी योजनाएं चलाई जा रही हैं वह आम आदमी के आर्थिक और सामाजिक विकास से संबंधित है। इन योजनाओं का उद्देश्य आम जनमानस के जीवन स्तर में सुधार लाना और उनके जीवन को बेहतर बनाना है। इस अवसर पर उन्होंने आयुष्मान कार्ड भी वितरित किए। साथ ही योजनाओं का लाभ पाने वाले लाभार्थियों को प्रमाण पत्र भी दिए। प्राथमिक विद्यालयो के बच्चों को उनके द्वारा पुरस्कृत भी किया गया। प्रभारी मंत्री ने ड्रोन के माध्यम से कृषि करने के उपकरण का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी हर्षिता माथुर, मुख्य विकास अधिकारी पूजा यादव, जिला पंचायती राज अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, खंड विकास अधिकारी के अतिरिक्त अन्य कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

एक नज़र

खण्ड स्तरीय ग्रामीण खेल प्रतियोगिताओ के आयोजन कराये जायेगें: बलबीर सिंह

द अचीवर टाइम्स निशान्त शुक्ला

हरदोई। जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी बलबीर सिंह ने समस्त खण्ड विकास अधिकारी, खण्ड शिक्षा अधिकारी तथा क्षेत्रीय युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारियों से कहा है कि महानिदेशक युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल के आदेशानुसार वित्तीय वर्ष में युवा कल्याण विभाग स्तर पर संचालित की जाने वाली खण्ड स्तरीय ग्रामीण खेल प्रतियोगिताओ के आयोजन सब जूनियर, जूनियर एवं सीनियर वर्ग पुरूष एवं महिला दोनों वर्गो में एथलेटिक्स, कुश्ती, भारोत्तोलन, जूडो, बेड मिंटन, कब्डडी, वालीबाल, फुटबाल आदि प्रतियोगिताओं के आयोजन 26 दिसम्बर 2023 से प्रारम्भ होना संभावित हैं। श्री सिंह ने उक्त अधिकारियों को निर्देश दिये है कि ग्रामीण स्तर पर खेल प्रतियोगिताओं की लोगों तक जानकारी पहुंचाने हेतु मीडिया आदि के माध्यम से व्यापक प्रचार प्रसार करायें और महानिदेशालय से जारी पत्र में दी गयी सीमा के अन्तर्गत विकास खण्ड स्तरीय ग्रामीण खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन बिल बेसिस पर कराकर व्यय वाउचर्स, फोटो ग्राफ, प्रतिभागियों की सूची, पुरस्कारवितरण की सूची तथा जनपद स्तर पर आने वाले खिलाड़ियों की सूची आधार कार्ड एवं शैक्षिक योग्यता सहित सम्पूर्ण विवरण 25 दिसम्बर 2023 तक कार्यालय में अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायें।

करणी सेना प्रदेश अध्यक्ष दुर्गेश सिंह दीपू ने मुख्यमंत्री को सोपा ज्ञापन

राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेडी की हत्या चिंताजनक

द अचीवर टाइम्स अनुराग तिवारी

मोहनलालगंज,लखनऊ। करणी सेना राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेडी की हत्या को लेकर प्रदेश अध्यक्ष दुर्गेश सिंह दीपू ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सोपा ज्ञापन करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष दुर्गेश सिंह दीपू ने सुखदेव सिंह गोगामेडी की हत्या को लेकर अपने ज्ञापन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग की है कि 36 कोमो की लड़ाई लड़ने वाले राष्ट्रीय अध्यक्ष की हत्या दुर्भाग्यपूर्ण है हत्यारो के विरुद्ध सख्त कार्रवाई व 5 करोड रुपए करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेडी के परिजनों को एवं प्रदेश स्तर के पदाधिकारी को सुरक्षा मुहैया कराई जाए। अगर ऐसा नहीं होगा तो करणी सेना समस्त भारतवर्ष में आंदोलन करने के लिए बाध्य रहेगी जिसकी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। श्री राजपूत करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष दुर्गेश सिंह दीपू ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेडी गरीबों व जरूरतमंदों की मसीहा थे उन्होंने हमेशा अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ी है ऐसे महानायक की हत्या से साफ जाहिर होता है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के सपनों को साकार नहीं होने देना चाहती पर करणी सेना पीछे नहीं हटेगी और राष्ट्रीय अध्यक्ष के सपनों को साकार करने को लेकर सदैव तत्पर रहेगी हे।

ब्लाक अधिकारियों की बढ़ी मनमानी जिम्मेदार अधिकारी भी नहीं देते ध्यान

सूरतगंज बाराबंकी। ब्लाक मुख्यालय पर तैनात अधिकारियों व कर्मचारियों की मनमानी बढ़ती जा रही है। समय से अपने पटल पर न बैठना इनकी आदत सी बन गई है। उच्चाधिकारियों के आदेश का भी कोई असर नहीं हो रहा है। ऐसे में इसका खामियाजा आम जनमानस को भुगतना पड़ रहा है। अफसर हों या कर्मचारी आफिस में बैठने का कोई समय न होने से ब्लाक पर आने वाले जरूरतमंद बिना काम हुए वापस निराश होकर घर लौट जाते हैं। ऐसे में लोगों का कहना है कि ब्लॉक सूरतगंज परिसर में अधिकारियों के न रुकने से दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। यहां तैनात अफसर कार्यालय से काफी दूर लखनऊ शहर व बाराबंकी में रहकर अपनी ड्यूटी को अंजाम देते हैं। कई बार लोगों ने उच्च अधिकारियों से इसकी शिकायत भी की फिर भी मनमानी पर कोई अंकुश नहीं लग सका। शायद यही कारण है कि अब सरकारी योजनाएं यहां के लोगों को समय से नहीं मिल पाती हैं। जिला ओडीएफ घोषित है लेकिन यहां के करीब पचास गांव ऐसे हैं जहां आज भी लोग खुले में शौच करते हैं। ब्लाक परिसर में बना बीडीओ आवास पूरी तरह से खड़हर बन गया है। दीवारों से प्लास्टर उजड़ने लगा है जहां आवास का भवन बना है वह सब जंगल जैसा दिखाई देता है। ग्राम पंचायत अधिकारियों के सरकारी आवास का भी कुछ यही हाल है। ऐसे में आवास की समस्या को देखते हुए कोई कर्मचारी यहां रात्रि विश्राम नहीं करता है। जिससे लोगों की मुश्किलें और ज्यादा बढ़ गई हैं। समय के विपरीत ऑफिस पहुंचना इनकी आदत बन गई है। अगर जिले के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा इस विषय को गंभीरता पूर्वक देखा जाय तो हो सकता है कि कई अधिकारी व कर्मचारी जांच की रडार में आ सकते हैं। इस संबंध में खण्ड विकास अधिकारी प्रीती वर्मा का कहना है कि सभी ग्राम पंचायत अधिकारी फील्ड में उतरकर काम करते हैं उसके बाद ब्लॉक पर आकर बैठते हैं। रात्रि विश्राम ब्लॉक परिसर के बजाय अपने हेड क्वार्टर पर करते हैं। वहीं दूरभाष पर कई बार सीडीओ एकता सिंह से सम्पर्क साधने का प्रयास किया गया लेकिन किसी कारणवश कॉल रिसीव न होने से उनका पक्ष नही जाना जा सका।

उद्यान मंत्री विकसित भारत संकल्प यात्रा में हुए शामिल

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने सतांव ब्लॉक के चंदौली और बछरांवा ब्लॉक के खैरहनी में ÷विकसित भारत संकल्प यात्रा÷ में शामिल हुए। इस अवसर पर विकसित भारत संकल्प यात्रा के उद्देश्य के संबंध में चर्चा करते हुए उन्होंने योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र दिए। उद्यान मंत्री ने इस अवसर पर डॉ भीमराव अंबेडकर के 67वें परिनिर्वाण दिवस पर उन्हें याद करते हुए उनके चित्र पर माल्यार्पण करके श्रद्धा सुमन अर्पित किया। उद्यान मंत्री ने उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, पीएम किसान सम्मान निधि आदि योजनाओं के बारे में लोगों को विस्तार पूर्वक बताया। उन्होंने कहा कि इच्छुक व्यक्ति या समूह संबंधित विभाग से संपर्क करके इन योजनाओं का लाभ ले सकते हैं । इसके पश्चात उन्होंने केंद्र व प्रदेश सरकार की जनहितकारी नीतियों के बारे में जानकारी दी। उपस्थित लोगों ने इस अवसर पर पंच प्रण की शपथ भी ली। उद्यान मंत्री ने कहा कि सरकार प्रत्येक व्यक्ति के कल्याण के लिए संकल्पबद्ध है।

कार्डियक अरेस्ट पुनर्जीवन जागरूकता पर कार्यशाला और प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

द अचीवर टाइम्स- नीरज शुक्ला

बाराबंकी। आज जहांगीराबाद इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी, जहांगीराबाद फोर्ट बाराबंकी में कार्डिओ पल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) यानि ÷कार्डियक अरेस्ट पुनर्जीवन÷ जागरूकता पर कार्यशाला और प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के फार्मेसी विभाग द्वारा किया गया। जिसमे नेशनल बोर्ड ऑफ़ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंस (मिनिस्ट्री ऑफ़ हेल्थ × फॅमिली वेलफेयर) के प्रेजिडेंट डॉ अभिजात सेठ और डॉ संजीव मित्तल (सर गंगाराम हॉस्पिटल नई दिल्ली) वेबिनार के माधयम से मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। सत्र के दौरान उन्होंने बताया कि जब कोई व्यक्ति अचानक कार्डियक अरेस्ट से पीड़ित हो तो उस स्थिति को कैसे पहचाने,पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन व डेमो के माध्यम से सीपीआर देने की प्रकिया, सीपीआर में क्या करना चाहिए क्या नहीं करना चाहिए और अचानक कार्डियक अरेस्ट से पीड़ित मरीज़ को पुनर्जीवित करने के लिए (ऑटोमेटेड एक्सटर्नल डेफिबिरिलेटर) AED मशीन के उपयोग के बारें में बताया। फार्मेसी विभाग के प्रिंसिपल डॉ अमित शर्मा ने अपने सम्बोधन में बताया की सीपीआर क्या होता है - सीपीआर का मतलब होता है कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन- यह एक तरह की प्राथमिक चिकित्सा यानि फर्स्ट ऐड है जब किसी पीड़ित को सांस लेने में दिक्कत हो या वो सांस नहीं ले पा रहा हो और बेहोश हो जाये तो सीपीआर से उसकी जान बचायी जा सकती है। हार्ट अटैक यानि दिल का दौरा पड़ने पर तो सबसे पहले और समय पर सीपीआर दे दिया जाये तो पीड़ित व्यक्ति की जान बचने की सम्भावना कई गुना बढ़ जाती है। फार्मेसी के डॉ आबिद ने वक्तव्य में कहा कि रोज़मर्रा कि ज़िन्दगी में चिकित्सा आपात स्थिति किसी भी व्यक्ति के लिए किसी भी स्थान पर आ सकती है जब ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है तो हमें जो प्राथमिक उपचार देना होता है उसके बारें में जागरूकता अत्यंत महत्वपूर्ण है इससे कई कीमती ज़िंदगियाँ बचाई जा सकती है। हार्ट सम्बन्धी अपातस्थिथिया आजकल बहुत आम है दिल का दौरा पड़ने या कार्डियक अरेस्ट कि स्थिति में अपनायी जाने वाली प्राथमिक चिकित्सा प्रक्रिया या पूर्व चिकित्सा सहायता कार्डिओ पल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) की जानकारी हर किसी को होनी चाहिए। अंत में डॉ अभिजात सेठ, एवं डॉ संजीव मित्तल द्वारा शामिल लोगो को 300 डिजिटल सर्टिफिकेट वितरित किये गए तथा डॉ दबीर अहमद ने मुख्य अतिथितियों और कार्यक्रम में शामिल प्रॉक्टर डॉ मो कलीम, ,(फार्मेसी हेड) मो. हिदायतुल्लाह, नोडल मेंबर अहमद नईम और , शोएब अहमद समेत शिक्षक शिक्षिकाएं एवं छात्र छात्राओं का धन्यवाद किया।

संविधान का पालन करते हुए अपने जिम्मेदारियों का निर्वहन करें : अपर जिलाधिकारी

गरीब एवं पीड़ित को न्याय दिलाने में हर सम्भव मदद करें: प्रियंका सिंह

द अचीवर टाइम्स निशान्त शुक्ला

हरदोई। संविधान निर्माता एवं महान समाज सुधारक डॉ0 भीमराव आम्बेडकर जी महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर कलेक्टेऊट सभागार में आहूत कार्यक्रम में सबसे पहले अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह ने डॉ0 आम्बेडकर जी के चित्र पर माल्यपर्ण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देते हुए नमन किया। इसके उपरान्त अतिरिक्त मजिस्टेऊट धीरेन्द्र श्रीवास्तव, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार, अपर जिला सूचना अधिकारी दिव्या निगम, प्रशासनिक अधिकारी श्री बाजपेई, नाजिर रईस अहमद खान सहित कलेक्टेऊट के अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी डॉ0 आम्बेडकर को पुष्प अर्पित कर नमन किया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी ने कहा कि अधिकारी व कर्मचारी संविधान का पालन करते हुए अपने जिम्मेदारियों का निर्वहन करें और डॉ0 भीमराव जी के समाज सेवा आर्दशों का पालन करते हुए कार्यालय में आने वाले गरीब एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्या का निस्तारण करने एवं न्याय दिलाने में हर सम्भव मदद करें।

परिनिर्वाण दिवस पर याद किए गए बाबा साहेब

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के 67वें महापरिनिर्वाण दिवस पर जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने उनके चित्र पर पुष्प चढ़ा कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया। उन्होंने संविधान निर्माता को याद करते हुए कहा कि उनके द्वारा संविधान निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया गया । हम सब का यह दायित्व बनता है कि बाबा साहब के दिखाए हुए मार्ग पर चले और अपने संविधान के प्रति सच्ची श्रद्धा और कर्तव्यनिष्ठा बनाए रखें।उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आज के दिन सभी विभागीय कार्यालयों तथा विद्यालयों में परिनिर्वाण दिवस मनाया जा रहा है। विद्यालयो में कई तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे हैं। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट प्रकाश चंद्र ने भी बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें याद किया। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभी कर्मचारी गण उपस्थित रहे। विकास भवन स्थित गांधी सभागार में मुख्य विकास अधिकारी पूजा यादव ने भी डॉ भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर उन्हें याद करते हुए कहा कि यह हम सबके लिए गौरव का विषय है कि हमारे यहां ऐसे महापुरुष पैदा हुए जिन्होंने हमारे देश को आगे ले जाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। सूचना कार्यालय,रायबरेली में भी बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित करके उन्हें याद किया गया। जिला सूचना अधिकारी अनुराग रंजन ने बताया कि भीमराव अंबेडकर हम सभी के लिए प्रेरणा स्रोत है। उनका जीवन दर्शन सभी के लिए पथ प्रदर्शक है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम का किया गया आयोजन

द अचीवर टाइम्स निशान्त शुक्ला

हरदोई विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम विकास खण्ड माधौगंज के ग्राम हरपुरा व बाबटमऊ में मुख्य अतिथि माननीय विधायक आशीष सिंह, आशू जी द्वारा दोनो ग्रामो में यात्रा की अगवानी की गई । जिसमें ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी भी उपस्थिति रहे। विकास खण्ड सण्डीला के ग्राम सांक व टिकरा बरार में माानीय विधायिका अलका अर्कवंशी जी द्वारा दोनो जगह पर यात्रा कार्यक्रम की आगवानी की गई जिसमें गांम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी भी मौजूद रहे। विकास खण्ड सुरसा के ग्राम ढोलिया में माननीय ब्लाक प्रमुख धनजंय मिश्रा जी एवं ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी , विकास खण्ड सुरसा के ही ग्राम जूरा में भाजपा मण्डल अध्यक्ष रजनीश कुमार व जिला पंचायत सदस्य धरेन्द्र सिंह धीरू, ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी, विकास खण्ड अहिरोरी के ग्राम कोट में माननीय जिला पंचायत अध्यक्षा प्रेमावती,ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी द्वारा प्रतिभाग किया गया। विकास खण्ड अहिरोरी के ग्राम गडेउरा में भाजपा उपाध्यक्ष विकास तिवारी ,ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी , विकास खण्ड मल्लावां के ग्राम खेदंरिया व केाडरामऊ में ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि अनुराग पटेल ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी,विकास खण्ड साण्डी के ग्राम बखरिया में मण्डल अध्यक्ष ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी, साण्डी विकास खण्ड के ही ग्राम निकारी ढिगासन में अशोक अग्रवाल, सदस्य विधान परिषद व ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी, विकास खण्ड पिहानी के ग्राम अरूआपारा ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि तुषार बाजपेयी,ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी, विकास खण्ड पिहानी के ग्राम उमरसेडा में साधन सहकारी समिति अध्यक्ष सरनाम सिंह ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी ,विकास खण्ड बिलग्राम के ग्राम सहौरा रामपुर व हसौलिया में ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि देवेन्द्र सिंह, ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी ,विकास खण्ड भरखनी के ही ग्राम कन्हारी व रामपुर खमरिया में ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी, विकास खण्ड षाहाबाद के ग्राम ऐगंवा व नबीपुर ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी, विकास खण्ड भरावन के ग्राम परसा मोहीद्दीनपुर में जिला पंचायत सदस्य इशरत अली ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी एवं ग्राम ऐराकाकेमऊ में ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी , विकास खण्ड टडियावां मे ग्राम नरायनपुर ग्रंट एवं सडिला में ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी, विकास खण्ड बाबवन के ग्राम उधरनपुर में मण्डल अध्यक्ष देश दीपक दीक्षित, ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी एवं कुवंरपुर में ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी, मुख्य अतिथि/जन प्रतिनिधियों द्वारा ग्राम वासियों को सम्बोधित करते हुये बताया कि यह कार्यक्रम समस्त योजनाओं से पात्र लाभार्थियों को संतृप्त करने के उद्देष्य से किया जा रहा है। इस हेतु सभी अधिकारी व कर्मचारी पूर्ण मनोयोग से कार्य कर समस्त योजनओं के पात्र लाभार्थी को लाभान्वित करें। कृषि विभाग के कार्मिको द्वारा पीएम किसान योजना के अन्तर्गत ई-केवाईसी,भूलेख अंकन, केसीसी एवं नये पंजीकरण मौके पर कराये जा रहे। कृषको को अन्न (मिलेट्स) के सम्बन्ध में भी जानकारी दी गई । इसी के साथ उन्हे फसल अवशेष प्रबन्धन के बारे में भी जानकारी दी गई। कृषको को रबी की फसलों की तकनीकी जानकारी के साथ फसलो की लाइन से रोपाई एवं बुबाई के लिये प्रेरित किया गया । कृषको को प्रमाणित बीजो के बारे में जानकारी दी गई । कृषक राजकीय कृषि बीज भण्डार से प्रमाणित बीजो पर 50 प्रतिशत अनुदान पर प्राप्त कर सकते है। उपरोक्त कार्यक्रम में आज कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं खाद्य आदि विभागों के कर्मचारी/अधिकारी उपस्थित रहे। ग्राम प्रधान/जन प्रतिनिधियो द्वारा जनपद में संचालित योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में सभी विभागों ने स्टाल लगाये। उपरोक्त कार्यक्रमों में प्रगतिशील कृषको को सम्मान पत्र,प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थी कृषको को स्वीकृत पत्र वितरित किये गये। ग्राम वासियों को उनके उत्थान हेतु चलाई जा रही समस्त योजनाओ की जानकारी भी दी गई।कार्यक्रम मे एल0ई0डी0 वैन द्वारा प्रधानमंत्री द्वारा संचालित प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, आयुषमान कार्ड,प्रधानमंत्री आवास योजना, समस्त पेंशन योजना और अन्य जनकल्याणकारी योजना की जानकारी दी गयी। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के स्टाल कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण का केन्द्र रहे, जिसमें ग्राम वासियों की एनीमिया की जांच, शुगर की जांच, बी0पी0 की जांच और अन्य चिकित्सा स्वास्थ्य की जांच निशुल्क की गयी और निशुल्क दवा भी वितरित की गयी।

जम्मू कश्मीर के शहरों में महिलाओं में बेरोजगारी दर 51.8 फीसदी, रिपोर्ट में खुलासा

संवाददाता

जम्मू। जम्मू कश्मीर में शहरी इलाकों में बेरोजगारी की दर 29.8 फीसदी रही। महिलाओं में यह दर 51.8 फीसदी जबकि पुरुषों में 19.8 फीसदी रही। जम्मू कश्मीर में शहरी इलाकों में बेरोजगारी की दर 29.8 फीसदी रही। महिलाओं में यह दर 51.8 फीसदी जबकि पुरुषों में 19.8 फीसदी रही। जुलाई-सितंबर तिमाही 2023 में देश के शहरों में महिलाओं की बेरोजगारी दर 15.5 फीसदी रही थी। 22 राज्यों में किए गए सर्वेक्षण के मुताबिक, इसी तिमाही में गुजरात 7.1 फीसदी बेरोजगारी दर के साथ सबसे निचले स्तर पर है। दिल्ली में यह 8.4 फीसदी है जो दूसरे स्थान पर है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में शहरी इलाकों में हिमाचल प्रदेश 33.9 फीसदी बेरोजगारी दर के साथ शीर्ष पर है। 30.2 फीसदी बेरोजगारी के साथ राजस्थान दूसरे स्थान पर है। पूरे देश में बेरोजगारी की दर इसी दौरान 17.3 फीसदी रही है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ)) के जुलाई-सितंबर, 2023 तिमाही के आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। इसमें 15 से 29 वर्ष के उम्र समूह के बीच सर्वे किया गया है। आंकड़ों के अनुसार, शहरी क्षेत्रों में 15-29 आयु वर्ग की महिलाओं में भी बेरोजगारी के मामले में हिमाचल प्रदेश शीर्ष पर है। यहां महिलाओं की बेरोजगारी दर 49.2 फीसदी रही, जबकि पुरुषों में यह 25.3 फीसदी रही। राजस्थान में 39.4 फीसदी महिलाएं बेरोजगारी में रहीं जबकि पुरुषों में यह दर 27.2 फीसदी रही थी।

हिंदू कॉलेज ने स्मारक डाक टिकट किया जारी

❖ -छात्रों के योगदान और नवीन विचारों से कॉलेज इस मुकाम पर पहुंचा :देवू सिंह।

संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के हिंदू कॉलेज ने 125 साल पूरे होने पर मंगलवार को डाक टिकट जारी किया है। इसमें कॉलेज की इमारत को दिखाया गया है, जो हरे-भरे लॉन से बनी है। यह टिकट कॉलेज की वास्तुकला की भव्यता के सार को दर्शाता है और इसकी कीमत पांच रुपये हैं। इसका अनावरण केंद्रीय संचार राज्य मंत्री देवू सिंह चौहान और डीयू के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने किया। इस दौरान मंत्री ने कहा कि छात्रों के विशाल योगदान और नवीन विचारों का नतीजा है कि कॉलेज इस मुकाम में पहुंच गया है। उन्होंने बधाई देते हुए कहा कि डाक टिकट का जारी होना न केवल अतीत के उत्सव का प्रतीक है बल्कि शैक्षणिक विशिष्टता और समग्र विकास के भविष्य के प्रति प्रतिबद्धता का भी प्रतीक है। कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि कॉलेज के छात्रों के युवा दिमाग की क्षमता अगले 25 सालों तक देश के विकास के लिए जरूरी है और छात्रों का पढ़ाई में रुझान व मेहनत देश के भविष्य को नया आकार देगा। हिंदू कॉलेज की प्रधानाचार्य प्रो.अंजू श्रीवास्तव ने कहा कि हिंदू कॉलेज 1899 में अपनी स्थापना के बाद से शिक्षा का प्रतीक रहा है। हमारा कॉलेज विद्वानों की पीढ़ियों का पोषण कर रहा है। कॉलेज की 125वीं वर्षगांठ का ये डाक टिकट युवा दिमागों को ढालने, नवाचार को बढ़ावा देने, समग्र विकास को बढ़ावा देने, राष्ट्र के बौद्धिक और सांस्कृतिक क्षमता में महत्वपूर्ण योगदान देने का प्रतीक है। इस अवसर पर डीयू के रजिस्ट्रार डॉ. विकास गुप्ता, गवर्निंग बॉडी के अध्यक्ष टीसीए रंगाचारी समेत अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

एक नज़र

17 जनवरी को लॉन्च होगा पुरी श्रीमंदिर का परिक्रमा मार्ग

मनोरंजन सासमल
स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेर्स्व। बहुप्रतीक्षित पुरी श्रीमंदिर यात्री परिक्रमा मार्ग का उद्घाटन समारोह 17 जनवरी को होगा। इसलिए 12 जनवरी से पौधारोपण कार्यक्रम शुरू होगा। 15 तारीख को सुबह 7ः30 बजे यज्ञ शुरू होगा. सोमवार को प्रबंधन समिति के सदस्य, मंदिर पुरोहित, ओबीसीसी, टाटा के अधिकारी मंदिर के मुख्य प्रशासक रंजन दास से मिलने पहुंचे और पता किया कि यज्ञ कहां होगा। तीर्थ के उत्तर-पूर्वी कोने पर यज्ञ संपन्न होने के बाद आज पैमाना कार्य भी पूरा हो गया है। हालांकि 17 जनवरी को कर्ता के रूप में शामिल हुए महाराजा दिब्यसिंह देव यज्ञ कुंड में अंतिम संस्कार करेंगे। चारिदुआर में चारिवेद का पाठ भी किया जायेगा. इसके अलावा संतों और मठाधीशों द्वारा 24 घंटे का अखंड नाम संकीर्तन किया जाएगा। श्रीमंदिर के मुख्य प्रशासक रंजन दास ने मीडिया को बताया कि समर्पण समारोह 17 जनवरी को बहुत ही आध्यात्मिक माहौल में आयोजित किया जाएगा।

उत्तराखंडः रानीखेत के सीओ का दिल का दौरा पड़ने से निधन, भतीजी की शादी में शामिल होने के लिए आए थे काशीपुर

संवाददाता

अल्मोड़ा। रानीखेत में तैनात सीओ तिलक राम वर्मा का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। सीओ वर्मा अपनी भतीजी की शादी में शामिल होने के लिए अवकाश पर अपने घर भरतपुर, काशीपुर गए थे। बीते तीन दिसंबर को उनकी भतीजी की शादी थी। अल्मोड़ा जिले के रानीखेत में तैनात सीओ तिलक राम वर्मा का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। जानकारी के मुताबिक, सीओ वर्मा अपनी भतीजी की शादी में शामिल होने के लिए अवकाश पर अपने घर भरतपुर, काशीपुर गए थे। बीते तीन दिसंबर को उनकी भतीजी की शादी थी। इसी रात अचानक उनके सीने में दर्द उठा और परिजन उन्हें काशीपुर के एक निजी अस्पताल ले गए, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनके निधन पर पुलिस महकमे में शोक की लहर है। पुलिस कर्मियों ने उनके निधन पर गहरा दुख जताते हुए एसएसपी कार्यालय में शोक सभा आयोजित की। तिलक राम वर्मा वर्ष 1998 में पुलिस विभाग में एसआई के पद पर तैनात हुए। वर्ष 2020 में उन्हें पुलिस उपाधीक्षक के पद पर पदोन्नति मिली। 15 अगस्त 2022 से वह सीओ रानीखेत के पद पर तैनात थे।

पुलिस ने नशे से दूर रहने और साइबर क्राइम से बचने के प्रति किया जागरूक

हायर सेकंडरी स्कूल नगरी ने बच्चों से किया संवाद

एजेंसी

नगरी। कठुआ पुलिस ने हायर सेकेंडरी स्कूल नगरी ने एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवा पीढ़ी को नशे से दूर रखने व उन्हें साइबर क्राइम के प्रति जागरूक करना है। कार्यक्रम में डीएसपी मुख्यालय मंजीत सिंह, कठुआ थाना प्रभारी अजय सिंह चिब व पुलिस पोस्ट नगरी इंचार्ज रणबीर सिंह ने बच्चों को जागरूक किया। उन्होंने बताया कि हम सभी को एक साथ मिलकर नशे का विरोध करना चाहिए। उन्होंने बताया कि आज बढ़ते नशे के कारण बच्चे मानसिक रूप से तनाव में जा रहें हैं जिसे रोकना बेहद जरूरी है। वहीं देश में बढ़ रही डिजिटल इकोनॉमी के प्रति बच्चों को जागरूक करते हुए डीएसपी मंजीत सिंह ने बताया कि जिस तरह से आज काल डिजिटल सेवाओं का चलन बढ़ रहा है। ऐसे में सभी को जागरूक व सतर्क होना होगा। वहीं उन्होंने बच्चों को बताया कि अगर उन्हें कभी अज्ञात फोन नंबर से लॉटरी या उपहार का मैसेज या फोन आए तो वे उन्हें अपनी कोई गोपनीय जानकारी न दें और न ही उन्हें अपने बैंक खाते के बारे में कुछ बताएं। पुलिस ने बच्चों को पुलिस मित्र बनने को कहा। इस मौके पर स्कूल प्रबंधन व अध्यापकगण मौजूद रहे।

ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे पास दर्दनाक हादसा, छह घंटे ट्राले के नीचे दबा रहा चालक, मौत

एजेंसी

देवप्रयाग (श्रीनगर गढ़वाल)। ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे पास दर्दनाक हादसा हो गया। छह घंटे चालक ट्राले के नीचे दबा रहा। घंटों इंतजार के बाद मशीन और क्रेन पहुंची, लेकिन चालक को निकालने में कामयाबी नहीं मिली। ऋषिकेश-बदरीनाथ राजमार्ग पर पाली पुलिया के निकट हुई दुर्घटना में ट्राले के नीचे दबे चालक की मौत हो गई। चालक करीब छह घंटे तक ट्राले के नीचे दबा रहा। पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने उसे मशक्कत के बाद बाहर निकाला, लेकिन बेस अस्पताल में पहुंचने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। रविवार देर शाम गौचर से ऋषिकेश जा रहा ट्राला देवप्रयाग से सात किमी आगे पाली पुलिया के पास अनियंत्रित होकर अलकनंदा की ओर खाई में पलट गया। जिसमें चालक दीपचंद निवासी आंबेडकर नगर यूपी ट्राले के नीचे दब गया।

कई घंटे इंतजार के बाद मशीन और क्रेन पहुंची

सूचना पर प्रभारी थानाध्यक्ष अनिरुद्ध मैठाणी पुलिस व एसडीआरएफ टीम के साथ मौके पर पहुंचे। चालक को निकालने के लिए रेलवे की निर्माण कंपनी से हाइड्रा मशीन व क्रेन मंगवाई गई। कई घंटे इंतजार के बाद तो मशीन और क्रेन पहुंची, लेकिन इनसे भी दीपचंद को नहीं निकाला जा सका। इसके बाद पुलिस, एसडीआरएफ टीम व स्थानीय ग्रामीणों द्वारा मिट्टी खोदकर चालक का आधा शरीर ही बाहर निकाला जा सका। बाद में कटर से ट्राले के हिस्से को काटकर चालक को किसी तरह बाहर निकाला गया। थानाध्यक्ष अनिरूद्ध मैठाणी ने बताया कि गंभीर रूप से घायल चालक को बेस अस्पताल श्रीनगर मे भर्ती कराया गया था, जहां उसकी मौत हो गई। वहीं बेस अस्पताल के एमएस डॉ. अजेय विक्रम सिंह ने बताया जब दीपचंद को अस्पताल लाया गया था तो उसकी मौत हो चुकी थी।

आचार सहिंता उल्लंघन मामला...साक्ष्यों के अभाव में अनुकृति गुसाई समेत छह जनप्रतिनिधि दोषमुक्त

एजेंसी

देहरादून। आरोप था कि विधानसभा चुनाव के दौरान 26 जनवरी 2022 को आचार संहिता का उल्लंघन कर कांग्रेस प्रत्याशी अनुकृति गुसाई सहित छह जन प्रतिनिधियों ने रिखणीखाल बाजार में एक रैली निकाली। इसके लिए उन्होंने न तो प्रशासनिक अनुमति ली और न ही चुनाव आयोग की। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी लैंसडौन शालिनी दादर की कोर्ट ने साक्ष्यों के अभाव में कांग्रेस प्रत्याशी अनुकृति गुसाई समेत छह जनप्रतिनिधियों को आचार सहिंता का उल्लंघन कर रैली निकालने के आरोप से दोष मुक्त करार दिया है। बचाव पक्ष के अधिवक्ता अमित सजवाण और वीरेंद्र उनियाल रावत ने बताया कि राजस्व उपनिरीक्षक रीना वर्मा ने थाना रिखणीखाल में मामले में मुकदमा दर्ज कराया था। उनका कहना था कि विधानसभा चुनाव के दौरान 26 जनवरी 2022 को आचार संहिता का उल्लंघन कर कांग्रेस प्रत्याशी अनुकृति गुसाई, मनोहरलाल देवरानी, अनिल सिंह, रमेश सिंह, मोहित कुमार, प्रमोद सिंह ने करीब 200 से 300 व्यक्तियों के साथ मिलकर रिखणीखाल बाजार में एक रैली निकाली। इसके लिए उन्होंने न तो प्रशासनिक अनुमति ली और न ही चुनाव आयोग की। राजस्व उपनिरीक्षक ने तहरीर में सभी आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की थी। अधिवक्ता ने बताया कि न्यायिक मजिस्ट्रेट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद साक्ष्यों के अभाव में सभी को आचार संहिता के उल्लंघन के अपराध से दोष मुक्त करार दिया है।

रेलवे स्टेशन में घूम रहा महिला चोरों का गिरोहः अधिवक्ता की पत्नी के बैग से जेवरात चोरी, जांच में जुटी जीआरपी

ऊधम सिंह नगर। किच्छा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन में चढ़ते समय एक महिला के बैग से लाखों रुपये की ज्वैलरी चोरी हो गई। बताया जा रहा है कि महिला अपने रिश्तेदारों के यहां आई थी और वापस लौटते समय किच्छा रेलवे स्टेशन के पास ये घटना घटित हुई। काठगोदाम-लखनऊ एक्सप्रेस में जा रहे लखनऊ के अधिवक्ता की पत्नी को दो महिलाओं ने अपना शिकार बना दिया। महिलाओं ने ट्रेन में चढ़ते समय उनके बैग में रखे जेवर चुरा लिए। लखनऊ (यूपी) स्थित रॉयल सिटी निवासी भूपेंद्र कुमार लखनऊ में ही अधिवक्ता हैं। जीआरपी को दी तहरीर में उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले रुद्रपुर में अपने रिश्तेदार के गृह प्रवेश आयोजन में शामिल होने आए थे। साथ में उनके माता-पिता, पत्नी, भाई और उसका परिवार भी था। 25 नवंबर को वह काठगोदाम लखनऊ एक्सप्रेस से लौट रहे थे। किच्छा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन में चढ़ते समय उनकी माता और पत्नी को दो खानाबदोश महिलाओं ने घेर लिया। इसके बाद एक महिला ने उनकी माता को धक्का दिया। इस दौरान दूसरी महिला ने पत्नी का पर्स खोलकर उसमें रखे जेवर चुरा लिए। जब तक चोरी का पता चला तब तक ट्रेन चल पड़ी। बहेड़ी में मदद मांगने पर जीआरपी कर्मी ने रिपोर्ट दर्ज करने का फॉर्म न होने की बात कही। ट्रेन के भोजीपुरा पहुंचने पर अधिवक्ता ने वीडियो कॉल के माध्यम से जीआरपी थाना काठगोदाम में रिपोर्ट दर्ज कराई।

आवेदन फॉर्म में एक गलती से रद्द हो सकता है दाखिला

अभिभावक इन बातों का रखें खास ध्यान

संवाददाता

नई दिल्ली। नर्सरी से लेकर पहली कक्षा के अभिभावक दाखिला फॉर्म भर रहे हैं। ऐसे में स्कूल की ओर से अभिभावकों को फॉर्म को सावधानी से भरने की सलाह दी गई है। स्कूल प्रशासन का कहना है कि अभिभावकों को कुछ बिंदुओं को ध्यान में रखकर फॉर्म भरना होगा। नर्सरी दाखिले के आवेदन में छोटी-छोटी गलतियां अभिभावकों को परेशान कर रही हैं। जन्म तिथि, नाम व निवास स्थान की वर्तनी में गलती से दोबारा पूरी प्रक्रिया दोहरानी पड़ रही है। दो-तीन बार की गलतियों का नतीजा आवदेन रद्द करने के तौर पर भी मिल सकता है। स्कूलों की मानें तो बड़े पैमाने पर इस तरह की गलती मिल रही है। इसने दाखिला प्रक्रिया को ही बोझिल कर दिया है। स्कूल प्रशासन की सलाह दी है कि अभिभावक आवेदन फार्म में इत्मीनान से सटीक जानकारी दें। अगर दाखिला पंजीकरण के बाद पते में कोई बदलाव किए जाएंगे तो फॉर्म पहली सूची में शामिल नहीं होगा। इसके लिए अभिभावकों को दूसरी सूची का इंतजार करना पड़ेगा। मयूर विहार फेज-3 स्थित विद्या बाल भवन सीनियर सेकेंडरी स्कूल के उप प्रधानाचार्य डॉ. निशांत ने बताया कि उनकी ओर से भी जमा किए गए फॉर्म की जांच की जा रही है। शुरुआती दौर में छोटी-छोटी कई गलतियां मिली हैं। अभिभावकों को इसकी सूचना भी दी गई है। ऐसे में प्रक्रिया को दोहराना पड़ रहा है। उनकी सलाह है कि अभिभावक फॉर्म में गलत जानकारी भरने से बचें। स्कूल प्रबंधकों का कहना है कि अभिभावकों को ध्यान से फॉर्म भरना चाहिए। वह वही जानकारी फॉर्म में दें, जो दस्तावेज में हो। स्कूलों की सलाह है कि कई छात्रों का जन्म प्रमाण पत्र व आधार कार्ड नहीं बना हुआ है। ऐसी स्थिति में स्कूल ने उन्हें पहले से ही सारे दस्तावेज तैयार करने होंगे। अभिभावक अभी तो फॉर्म लेने स्कूल पहुंच रहे हैं और उन्हें 15 दिसंबर तक फॉर्म जमा कर व गलती में सुधार करना होगा।

फॉर्म भरते वक्त रखना होगा ध्यान

नर्सरी से लेकर पहली कक्षा के अभिभावक दाखिला फॉर्म भर रहे हैं। ऐसे में स्कूल की ओर से अभिभावकों को फॉर्म को सावधानी से भरने की सलाह दी गई है। स्कूल प्रशासन का कहना है कि अभिभावकों को कुछ बिंदुओं को ध्यान में रखकर फॉर्म भरना होगा।

126 स्कूलों ने जारी नहीं किया मानदंड

सभी निजी स्कूलों को शिक्षा निदेशालय की वेबसाइट पर मानदंड जारी करने का निर्देश दिया गया था। इसके बावजूद 1731 में से 126 स्कूलों ने मानदंड अपलोड नहीं किए हैं। शिक्षा निदेशालय का कहना है कि उन स्कूलों की नर्सरी दाखिला प्रक्रिया रद्द कर दी जाएगी और उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

इन बिंदुओं का रखें ध्यान

- फॉर्म में दी गई जानकारी दस्तावेजों से मेल खानी चाहिए।
- जो भी दस्तावेज फॉर्म के साथ दिए गए हैं, उनकी फॉटो कॉपी जरूर निकालनी चाहिए।
- फार्म में नाम व सरनेम की वर्तनी सही से भरनी होगी। उन्हें वही नाम लिखना होगा, जो दस्तावेज में हो।
- सभी कॉलम को एक बार अच्छी तरह से दोबारा जरूर पढ़ना होगा।
- बच्चे की उम्र की गिनती सही से करनी होगी। उम्र के आधार पर ही उसका दाखिला किया जाएगा।
- फॉर्म में अभिभावक वही मोबाइल नंबर भरे, जो उपयोग में हो।
- पता व पिन कोड भी सही से भरना होगा।
- स्कूल में फॉर्म जमा कराने के बाद वे पंजीकरण नंबर को नोट करके रखना होगा।

मानसून सीज़न में घूमने के लिए बेस्ट है अलेप्पी

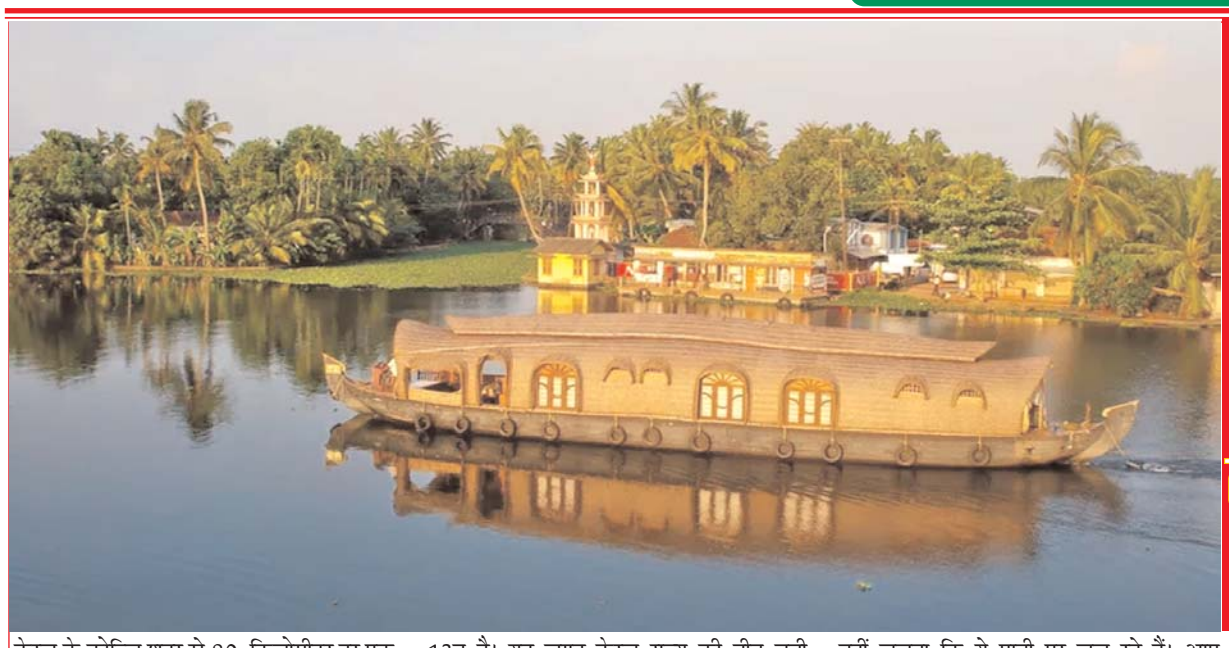

केरल के कोच्चि शहर से 80 किलोमीटर दूर एक छोटा-सा शहर है अलेप्पी। जो देश के तटीय शहरों में अपनी खास पहचान रखता है। और बारिश में इसकी खूबसूरती दोगुनी हो जाती है। बैकवाटर्स और खूबसूरत लग्जरी हाउसबोट के लिए मशहूर अलेप्पी यहां होने वाली नेहरू ट्रॉफी बोट रेस प्रतियोगिता के लिए बहुत खूब लोकप्रिय है। अलेप्पी किसी चित्रकार के कैनवास पर सधे हाथों संग उकेरे गए रंगों से बनी वह तस्वीर है, जिसे जितना भी निहारा जाए जी नहीं भरता।

दूर तक फैले धान के हरे-भरे खेत, पानी के बीच उभर आए आइलैंड और नारियल के ऊंचे-ऊंचे पेड़। इसीलिए तो प्रकृति प्रेमी यहां सिर्फ छुट्टी मनाने नहीं आते, बल्कि प्रकृति के साथ कुछ दिन घुलने-मिलने आते हैं। अगर यह कहें कि अलेप्पी को जल-देवता ने हर रूप में नवाजा है तो गलत नहीं होगा। यहां नदियां हैं, नहरें हैं, बैकवाटर्स है और 82 किलोमीटर लंबा समुद्री तट है, जो केरल राज्य के कोस्टल लाइन का अकेले 13त्न है। यह जगह केरल राज्य की तीन बड़ी नदियों मनीमाला,पम्बा और अचंकोविल के संगम के लिए भी जानी जाती है।

अलेप्पी को अलप्पुजहा भी कहते हैं, जिसका अर्थ होता है वह जगह जो समुद्र और उसमें मिलने वाली नदियों के बीच पड़ता हो। नाव पर राजसी ठाट एक शांत शहर जिसके एक ओर समुद्र है तो दूसरी ओर बैक वाटर्स। यहां का मुख्य आकर्षण है बैक वाटर्स पर तैरती लग्जरी हाउसबोट। इसका आनंद उठाने देश-विदेश के लोग आते हैं। यह हाउसबोट अपने आप में पानी पर तैरते हुए किसी बड़े बंगले जैसा होता है। इसमें निचले तल पर दो या तीन बेडरूम होते हैं जिसमें अटैच्ड बाथरूम की व्यवस्था भी होती है। इसमें एक लंबा सा कॉरिडोर होता है। बोट के अगले हिस्से में एक ड्रॉइंग रूम होता है, जिसके बाहर डेक होता है। इसके ऊपर एक बड़ा हॉल होता है, जहां पार्टी की जा सकती है। इसमें एक किचन भी होता है, जहां से खान-पान की व्यवस्थथा की जाती है। हर हाउसबोट के पास अपना जेनरेटर सेट होता है, जिससे बिजली की आपूर्ति होती है। ये हाउसबोट एयर कंडीशन्ड भी होते हैं। ये इतने बड़े और मजबूत होते हैं कि इनमें रहते हुए आपको पता भी नहीं चलता कि ये पानी पर चल रहे हैं। आप लग्जरी हाउसबोट ऑनलाइन भी बुक कर सकते हैं। यहां एक दिन के शार्ट स्टे से लेकर कई दिन के स्टे की व्यवस्था की जाती है। यहां हाउसबोट पर सैलानियों को केरल के ट्रेडिशनल जायके को चखने का मौका भी मिलता है। जो आपके पैकेज में शामिल होता है। शहर का दूसरा सबसे बड़ा आकर्षण है अलेप्पी बीच। यहां से अरब सागर का सबसे खूबसूरत दृश्य देखा जा सकता है। सुनहरी रेत के कणों से अटखेलियां करता नीले समुद्र का पानी एक जादुई समां बनाता दिखाई देता है। एक शांत बीच जिसका सूर्यास्त आपको हमेशा के लिए याद रह जाएगा। यह बीच आपके थके कदमों को नेचुरल फुट मसाज देकर असीम आनंद का अनुभव कराएगा। खास बात यह है कि यहां बहुत भीड़ नहीं होती है, इसलिए यह जगह एक शांत बीच हॉलिडे के लिए बेस्ट है। यहां आसपास ही बड़े सारे होटल और लग्जरी रिसॉर्ट्स बने हुए हैं। साथ ही, इस बीच तक पहुंचने वाली सड़कों पर कई खूबसूरत होम स्टे भी मौजूद हैं, जहां रहकर आप मलयाली परिवार की संस्कृति से रूबरू हो सकते हैं। अगर आप सोच रहे हैं कि नीले पानी और सुनहरी पीली रेत को निहारते हुए नारियल के झाड़ पर बंधे हैमोक यानी झूले पर आराम से लेटे हुए हॉलिडे मनाना शायद मॉरीशस या थाईलैंड में ही पॉसिबल होता होगा तो अलप्पुजहा आकर आपकी यह सोच गलत साबित हागी। आप यहीं अलप्पुजहा से मात्र 15 किलोमीटर उत्तर में एक शांत और खूबसूरत मरारी बीच पर यह आनंद ले सकते हैं। मरारी कोई आम बीच नहीं है।

इसे हैमोक बीच भी कहा जाता है। ऐसा हम नहीं कहते, नेशनल जियोग्राफिक के एक सर्वे के अनुसार लोगों ने इसे दुनिया के पांच बेस्ट हैमोक बीच में से एक माना है। मरारीपुरम मछुआरों का गांव है। यहां बीच के पास ही आप मछुआरों के रोजाना किए जाने वाले कामों को देख सकते हैं। यहां बीच के नजदीक ही कई होम स्टे भी मौजूद हैं। अगर आप चाहें तो यहां रुककर विलेज सफारी का आनंद भी ले सकते हैं। अलेप्पी बीच आसपास के तटीय शहरों में पाये जाने वाले बीचों से एकदम अलग है। अलेप्पी बीच, शहर के बीचों-बीच स्थित रेलवे स्टेशन से मात्र 1 कि.मी. की दूरी पर है। अलेप्पी का मुख्य आकर्षण नारियल के पेड़ों के किनारे ठहरे हुए पानी में धीमी गति से पर्यटकों द्वारा नौका विहार का लुत्फ उठाना है। केरल राज्य के बैकवॉटर पर्यटन का अलेप्पी सबसे लोकप्रिय केन्द्र है। झीलों की भूल-भुलैया, लैगुन और मीठे पानी की नदियों के कारण अलेप्पी को 'पूर्व का वेनिस' भी कहा जाता है। केरल का यह छोटा सा शहर खास तौर से सालाना नौका-दौड़ के दौरान बड़ी संख्या में पर्यटकों को लुभाता है। पर्यटकों के लिए अलेप्पी विख्यात बैकवाटर में नौका-विहार करने का लोकप्रिय केन्द्र है। भारत के अन्य शहरों की भाग-दौड़ से दूर अलेप्पो के बैकवाटर में नौका-विहार के दौरान यहां की साधारण जीवन शैली को करीब से देखा जा सकता हैं। सबसे विख्यात करूज मार्ग 8 कि.मी. लंबा है, जो अलेप्पो से दक्षिण कोल्लम का है। सफर के दौरान इसमें चाय, दोपहर का भोजन, कथकली नृत्य और मंदिर दर्शन भी शामिल है। नदियों, झीलों, खूबसूरत पहाड़, झरने और हरियाली के लिए मशहूर केरल में आप अपनी छुट्टियों का मजा सुकून से ले सकते हैं और यहां आपका वीकेंड ओर भी ज्यादा यादगार बन जाएगा। केरल में घूमने के लिए बहुत सी खूबसूरत जगहें है, जोकि इस शहर की सुदंरता को ओर भी बढ़ा देती है। केरल के पलक्कड़ जिले में नेल्लीयमपैथी पहाड़ी और पर्वतों की चोटियां बादलों से मुकाबला करते हुए दिखाई देती हैं। पर्वत और बादलों का ऐसा संगम देखकर आप भी हैरान हो जाएंगे। गोल्डन पीक के नाम से भी मशहूर इस हिल स्टेशन पर आप अपनी छुट्टियां सुकून और आराम से बिता सकते हैं। यहां से आप पूरे तिरुवनंतपुरम का खूबसूरत नजारा देख सकते हैं। केरल कोल्लम के तेनमाला को टूरिस्ट हॉट स्पॉ और हनी हिल के रूप में पहचाना जाता है। इस जगह पर शहद का उत्पादन किया जाता है, जिसके कारण इसे हनी हिल का नाम दिया गया है। नदियों और झीलों का मजा लेने के लिए आप निलाम्बुर के केरल कुंडू झरने में जा सकते हैं। इसकी खूबसूरती और ठंडा-ठंडा पानी आपकी छुट्टियों का मजा बढ़ा देंगे। इस खूबसूरत शहर की पहाड़ियों की ढलानों पर चाय के खेत 80,000 मील तक फैले हुए हैं। इसके अलावा आप यहां 2,695 मीटर ऊंचे पहाड़ देख सकते हैं, जोकि इरविकुलम नेशनल पार्क में स्थित है।

यहां तक पहुंचना बहुत मुश्किल नहीं। मरारी बीच मरारीकुलम रेलवे स्टेशन के नजदीक ही है। आप ट्रेन से भी यहां तक पहुंच सकते हैं और अलप्पुजहा से टैक्सी या ऑटो लेकर भी यहां आसानी से पहुंचा जा सकता है।

आयरलैंड की कुछ ऐसी लोकेशन, जो भुला देंगी दुनिया

अगर आप अपने पार्टनर के साथ विदेश यात्रा करने की सोच रहे हैं जहां सुकून, मनोरंजन, खूबसूरत वादियां और खाने के बढ़िया इंतजाम हो तो आपके लिए आयरलैंड अच्छा विकल्प हो सकता है। आयरलैंड एक ऐसा टूरिस्ट प्लेस है, जहां एक ही जगह पर दुनिया के अलग-अलग रंग देखने को मिल जाते हैं। खास बात यह भी है कि यहां बहुत अधिक भीड़ नहीं होती। सफर सुकून भरा रहता है। आइए जानते हैं आयरलैंड की वे लोकेशन जहां आप अपने पार्टनर के साथ क्वालिटी टाइम स्पैंड कर सकते हैं-

काउंटी मैथ आयरलैंड में सबसे महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थलों और स्मारकों में से एक है 'Boyne Valley'। यहां बड़े पैमाने पर इतिहास से जुड़ी चीजें आपको मिल जाएंगी। यहां कुछ कब्र भी हैं, जिनके बारे में कहा जाता है कि ये कब्रें इंग्लैंड में स्टोनहेंज और मिस्र में गीजा के पिरामिड दोनों से पुरानी हैं। न्यूग्रेंज आपका मन मोह लेगा। इसका निर्माण लगभग 5,000 साल पहले हुआ है और यह आयरलैंड का सबसे प्रसिद्ध इतिहासिक स्थल है।

दुनिया भर के कई लोगों के लिए रिंग ऑफ केरी आयरलैंड की पहचान है। यह प्राचीन स्मारक, रोमांटिक महल, शानदार उद्यान और रंगीन शहर और गांव सबका संगम है। यहां के हैरान करने वाले दृश्य, दिल जीत लेने वाले समुद्र तट, आकर्षक स्थान और पुरातात्विक खजाने को अक्सर पोस्टकार्ड, फिल्म, कविता और गीतों में देखा जा सकता है। जी हां, जो लोकेशनंस आप टीवी या फिल्म में देखते हैं, वह आपको यहां असल में देखने को मिलेंगी।

आयरलैंड के क्रैगी वेस्ट कोस्टलाइन का सबसे प्रसिद्ध और लुभावना हिस्सा हैं मोहर क्षेत्र की चट्टानें। जिन्हें The Cliffs of Moher के नाम से जाना जाता है। इस जगह इस पूरे द्वीप के कुछ सबसे लुभावने दृश्य देखने को मिल जाते हैं। क्लिफ लगभग 5 मील तक फैला है और अटलांटिक महासागर से 702 फीट ऊंचा है। चट्टानों से यहां का हैरान करने वाले नजारे देखने को मिलते हैं। आप एरन द्वीप समूह, गॉलवे खाड़ी, बारह पिंस और मौम तुर्क पर्वत की सैर इंजॉय कर सकते हैं। इस जगह की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि यहां हर साल लगभग एक मिलियन सैलानी दुनियाभर से आते हैं।

गैलवे की यात्रा 'अरन द्वीपों' की यात्रा के बिना अधूरी होगी। यहां कई छोटे द्वीप हैं, जिनमें इनिशमोर, इनिशमैन और इनिशियर शामिल हैं। इन लोकेशंस ने यहां सदियों से ग्रामीण सांस्कृतिक अस्तित्व के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यहां आप आयरलैंड की संस्कृति को नजदीक से जान सकते हैं, जिसमें कम से कम सांस्कृतिक रूप से परिवर्तन हुए हैं। यहां के मूल निवासी आज भी अपने जीवन को उसी तरह जीते हैं, जिस तरह से उनके पूर्वजों ने जिया था। आयरलैंड में प्रकृति के अलग-अलग रूप और नजारे देखने को मिलते हैं। बरेन में चूना पत्थर से बनी पहाड़ियां और चट्टाने देखने को मिलती हैं। लेकिन यहां का दृश्य आपको इस कदर मोहित करेगा कि आप कुछ समय के लिए पूरी दुनिया भूला देंगे। यह जगह आयरलैंड के सबसे प्रसिद्ध प्राकृतिक आकर्षणों में से एक है।

चांदी के बर्तन में पानी पीने से ही मिलेंगे कई फायदे

पुराने जमाने में लोग अपने घरों में चांदी के बर्तनों का इस्तेमाल करते थे। भले ही आजकल चांदी के बर्तनों का इस्तेमाल काफी कम हो चुका है लेकिन बड़े-बुजुर्ग आज चांदी के बर्तन में ही पानी पीना या खाना पसंद करते हैं। क्या कभी आपने जानने की कोशिश की है कि ऐसा क्यों? दरअसल, चांदी के बर्तन में पानी पीना स्वास्थ्य के लिहाज से काफी फायदेमंद है। सिर्फ आयुर्वेदिक ही नहीं बल्कि वैज्ञानिक भी चांदी के बर्तन में पानी पीने की सलाह देते हैं। चलिए आपको बताते हैं चांदी के बर्तन में पानी पीने या खाना खाने के 10 बेहतरीन फायदे।

चांदी के बर्तन में पानी पीने के 10 फायदे

वजन घटाने में मददगार: रोज सुबह खाली पेट चांदी के बर्तन में पानी पीने से मेटॉबॉलिज्म बूस्ट होता है और पाचन क्रिया दुरुस्त रहती है। इससे वजन घटाने में मदद मिलती है।

होते हैं बैक्टीरिया फ्री: चांदी के बर्तन 100 प्रतिशत बैक्टीरिया फ्री होते हैं इसलिए इन बर्तनों को गर्म पानी में उबालने की जरूरत नहीं होती है, इन्हें बस सादे पानी से ही साफ करना ही काफी होता है। इसमें पानी पीने से इंफैक्शन का खतरा नहीं होता। वहीं चांदी के बर्तन में खाना खाने से आप कई बीमारियों से भी बचे रहते हैं।

इम्यून सिस्टम बूस्ट: जब भी आप खाने को गर्म करते हैं तो उसकी धातु खाने के साथ मिश्रित होकर शरीर में प्रवेश करती है। मगर एंटी-बैक्टीरियल चांदी के बर्तन का जब आप इस्तेमाल करते हैं तो चांदी के तत्व शरीर में जाते हैं, जिससे इम्यून सिस्टम भी बूस्ट होता है और आप कई बीमारियों से बचे रहते हैं।

सर्दी-जुकाम से बचाव: चांदी के गिलास में पानी पीने से सर्दी-जुकाम की समस्या दूर होती है। वहीं इसका इस्तेमाल पित्त बढ़ने की समस्या या पित्त दोष को दूर करने में बेहद असरदार होता है।

फिल्टर का काम करती है चांदी: ये बर्तन प्राकृतिक रूप से गैर-विषाक्त होते है इसलिए चांदी के बर्तनों में पानी, दूध या कोई और तरल पदार्थ रखने से उनमें ताजापन आता है। पहले समय में पानी साफ करने के लिए वॉटर फिल्टर नहीं होते थे। ऐसे में लोग पानी को साफ और शुद्द करने के लिए चांदी के बर्तनों में रख देते थे। यहां तक की वाइन को भी खराब होने से बचाने के लिए चांदी के जार में रखा जाता था।

शरीर को मिलती है ठंडक: चांदी का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह शरीर में ठंडक बनाए रखती है जिससे शरीर का तापमान नियंद्धत्रत बना रहता है। यही कारण है कि जिन लोगों को गुस्सा अधिक आता है उन्हें चांदी के संपर्क में रहने की सलाह दी जाती है।

एनीमिया से लड़ने में करें मदद: इन बर्तनों में पानी पीने से काफी फायदा मिलता है। चांदी शरीर में सेल्स का निर्माण करता है और खून की कमी को पूरा करता है। साथ ही इससे थकान और पाचन संबंधी समस्याएं भी दूर रहती हैं।

तनाव को करे दूर: चांदी के बर्तन में रोजाना पानी पीने से दिमाग शांत रहता है, जिससे आप तनाव से दूर रहते हैं। साथ ही यह याददाश्त बढ़ाने में भी मदद करता है और आंखों की समस्याओं से निजात दिलाता है।

किडनी और लिवर को रखें स्वस्थ: शरीर की आंतरिक सफाई के लिए चांदी का पानी काफी फायदेमंद होता है। यह लिवर और किडनी को स्वस्थ रखता है। तो अगर आप भी स्वस्थ रहना चाहते हैं तो आज से ही चांदी के बर्तन में पानी पीना शुरू कर दें।

एंटी एजिंग समस्याओं को करे दूर: एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-बैक्टीरियल होने के कारण चांदी के बर्तन उम्र बढ़ने की गति को धमा कर देता है। चांदी के बर्तन में पानी पीने से चेहरे पर मौजूद लाइनें, डार्क सर्कल्स और झुर्रियों जैसी समस्याएं नहीं होती। साथ ही इससे चेहरे पर ग्लो भी बना रहता है।

स्वामी, प्रकाषक, मुद्रक विवेक श्रीवास्तव द्वारा ओम साई क्रियेषन्स, आषा काम्प्लक्े स, इन्दिरा नगर लखनऊ से मुद्रित एवं पहला तल, निधि काम्प्लेक्स, विकास नगर लखनऊ (उ0प्र0) से प्रकाषित।
RNI No.UPHIN/2015/6090 सम्पादक- विवेक श्रीवास्तव, फोन नं0- 8004949556, 7570901365 Email. info@theachievertimes.com किसी भी वाद विवाद का निस्तारण लखनऊ न्यायालय ही मान्य होगा।
समाचार-पत्र का मुख्य उद्देय ग्रामीण भारत का सत प्रतिशत मीडिया कवरेज कर समाज में फैला भ्रष्टाचार सामाजिक बुराइयों एवं कुरीतियों को अपने स्तर पड़ताल करके सम्बन्धित उच्चअधिकारियों को ध्यानकर्षण कर उन्हें समाप्त कराना है।